

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेल्कम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 295

शुक्रवार, 30 अक्टूबर-2026 (गाजियाबाद)

पेज-8

मूल्य-एक रुपया

केन्द्रीय कैबिनेट का फैसला: पीएम ग्राम स्वराज योजना को मंजूरी

सात हजार करोड़ से सशक्त होंगी 2.55 लाख पंचायतें

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना (पीएमबीजीएसवाई) के लिए 7,395 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। योजना का उद्देश्य पंचायतों की संस्थागत क्षमता और स्थानीय स्तर पर प्रभावी शासन व्यवस्था को मजबूत करना और गांवों को आत्मनिर्भर बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इस योजना को मंजूरी दी गई।

योजना वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक (सोलहवें वित्त आयोग की अवधि के साथ) लागू रहेगी। इस योजना के लिए कुल 7,395.55 करोड़ रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया है। इसमें केंद्र सरकार का हिस्सा



4,869.48 करोड़ रुपये और राज्य सरकारों का हिस्सा 2,526.07 करोड़ रुपये है। इससे देश भर की 2.55 लाख से अधिक पंचायतों और पारंपरिक स्थानीय निकायों के लगभग 32 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों एवं अन्य हितधारकों को सीधा लाभ मिलेगा। कैबिनेट के फैसलों

की जानकारी देते हुए केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे निर्धारित योजनाओं से हटकर एक बड़ा बदलाव बताया।

उन्होंने बताया कि अब पंचायतें उपलब्ध संसाधन और विकास के मार्ग की बाधाओं को चिन्हित कर सकेंगी। अपनी जरूरतों के मुताबिक योजनाओं

को तैयार कर सकेंगी। सरकार का मानना है कि पिछले 12 साल में हुए बड़े सुधारों को अब गांव स्तर पर ले जाने के लिए पंचायत को ही विकास का केंद्र बनाना जरूरी है, क्योंकि यहीं से विकसित भारत का रास्ता निकलेगा।

पंचायतों का वित्तीय सशक्तीकरण

योजना का लक्ष्य हर जन-जागरूकता अभियान के माध्यम से कम से कम 1 करोड़ नागरिकों तक पहुंचने का है। यह योजना पंचायतों को वित्त आयोग के अनुदानों के बेहतर उपयोग और अपने स्वयं के राजस्व को जुटाकर वित्तीय रूप से सशक्त बनाने का प्रयास करती है। हर साल 2.55 लाख ग्राम पंचायत विकास योजना जीपीडीपी ई-ग्रामस्वराज पोर्टल पर

बनेगी। इसमें गांव की जरूरत, केंद्र-राज्य की स्कीमें और पैसा सब एक साथ जोड़ा जाएगा।

कंटेनर निर्माण के लिए 10,000 करोड़ मंजूर

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने देश में कंटेनर निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 10,000 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत देश में कंटेनर बनाने की क्षमता बढ़ाई जाएगी। साथ ही, आयात पर निर्भरता कम करने और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। योजना वित्त वर्ष 2039-40 तक लागू रहेगी। इसकी घोषणा बजट 2026-27 में की गई थी। इसके तहत नई कंटेनर निर्माण इकाइयां लगाने और मौजूदा इकाइयों की क्षमता बढ़ाने के लिए सहायता दी जाएगी।

डिजिटल फ्रॉड पीड़ितों के नुकसान की भरपाई करें बैंक, सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई से मांगी रिपोर्ट

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। 'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों पर, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह आरबीआई के केवाईसी संशोधन निर्देशों की समीक्षा करेगा, जिन्हें 31 दिसंबर तक लागू किया जाना है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह बैंकों की जिम्मेदारी है कि वे ग्राहकों के साथ हो रही धोखाधड़ी और उनके खातों में होने वाले संदिग्ध लेन-देन के बारे में नजदीकी पुलिस थातों को सूचित करें। सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई से उन बैंकों की सूची मांगी है, जिन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। साथ ही, कोर्ट ने पीड़ितों को हुए नुकसान की भरपाई के उपाय करने को भी कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'डिजिटल धोखाधड़ी के शिकार लोगों के नुकसान की भरपाई के लिए बैंकों को जुवाबदेह बनाया जाना चाहिए।' कोर्ट ने यह भी बताया कि भले ही डिजिटल अपराधों में 50 प्रतिशत की कमी आई है, फिर भी इस साल अब तक पीड़ितों को ऐसे अपराधों के कारण 800 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। सुप्रीम कोर्ट



ने 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले में व्हाट्सएप को भी पक्ष रखने की अनुमति दी। इस पर व्हाट्सएप ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने अब तक 9,400 संदिग्ध अकाउंट्स को बैन कर दिया है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब दिल्ली पुलिस ने इस हफ्ते की शुरूआत में दो लोगों को गिरफ्तार किया। इन पर आरोप है कि वे एक ऐसा बैंक अकाउंट (म्यूल अकाउंट) चला रहे थे, जिसका इस्तेमाल 2.10 करोड़ रुपये की 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी से जुड़ी रकम को इधर-उधर करने के लिए किया गया था। जांच के दौरान, पुलिस ने आरोपियों-सोनु खान (36) और अर्जुन चौधरी (38)-के पास से चार मोबाइल फोन, छह डेबिट कार्ड

और 10 चेकबुक बरामद की। 'नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल' पर दर्ज शिकायतों की जांच के दौरान, पुलिस को पता चला कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली के यमुना विहार में रजिस्टर्ड एक बैंक अकाउंट में 12 अक्टूबर को 98,592 रुपये आए थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह रकम उस मामले से जुड़ी है, जिसे 'इंटेलिजेंस प्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस' यूनिट ने दर्ज किया था। यह मामला जनकपुरी के एक निवासी की शिकायत पर दर्ज हुआ था, जिसके साथ 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम के जरिए करीब 2.10 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई थी। पुलिस के अनुसार, 23 अक्टूबर को अशोक नगर में डिस्पोजेबल सामान बेचने वाली एक दुकान पर सोनु खान का पता चला। वहां से तीन मोबाइल फोन, डेबिट कार्ड और चेकबुक बरामद की गई। पूछताछ में खान ने बताया कि अर्जुन चौधरी ने ही यह दुकान खुलवाने में मदद की थी और बदले में आर्थिक सहायता देकर उसके बैंक अकाउंट्स पर अपना नियंत्रण बना लिया था।

दिल्ली में मिलावट रोधी अभियान तेज, खाद्य सुरक्षा टीम ने 948.9 लीटर घी जब्त किया

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत, दिल्ली सरकार ने तीन जगहों पर छापेमारी करके 948.9 लीटर घी जब्त किया है। बुधवार को भोगल मार्केट, नजफगढ़ मार्केट और शिव विहार में यह छापे मारे गए। अधिकारियों ने भोगल से 389.9 लीटर, नजफगढ़ से 338 लीटर और शिव विहार से 221 लीटर घी जब्त किया; शिव विहार में यह कार्रवाई दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर की गई। भोगल और नजफगढ़ से घी के 15 नमूने लिए गए और उन्हें लैब टेस्टिंग के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार खाद्य सुरक्षा विभाग को आधुनिक तकनीक से लैस करने और वहां कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रही है, ताकि मिलावट करने वालों के खिलाफ जांच और कार्रवाई में तेजी लाई जा सके। जरूरत पड़ने पर अन्य विभागों के



कर्मचारियों को भी इसमें शामिल किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि यह सख्ती पूरे साल जारी रहेगी, न कि सिर्फ त्योहारों के मौसम तक सीमित रहेगी। उन्होंने कहा कि मिलावट में शामिल पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, जिसमें बड़ी बांडेड कंपनियां भी शामिल हो सकती हैं। आम लोग मिलावटी या खराब गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों और एक्सपायर हो चुके उत्पादों की शिकायत खाद्य सुरक्षा विभाग की हेल्पलाइन नंबर 1800-11-3921 पर, कार्यालय के समय के दौरान कर सकते हैं। इससे पहले, दिल्ली सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग ने त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया था।

पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध के पक्ष में नहीं सुप्रीम कोर्ट, कहा- जमीनी स्तर पर नियम लागू करें

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह पटाखों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के पक्ष में नहीं है, हालांकि जब तक अधिकारी जमीनी स्तर पर आदेशों को लागू नहीं करते, तब तक हर साल आदेश और दिशानिर्देश जारी करने का कोई मतलब नहीं है। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पटाखे फोड़ने से संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए कहा, 'इसका संबंध हर जीवित प्राणी से है।' सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पीठ को वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएनयूएम) द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। पीठ ने आदेशों को लागू करने पर जोर देते हुए कहा, 'जब तक आप जमीनी



स्तर पर उन्हें लागू नहीं करते, तब तक आदेश और निर्देश जारी करने का कोई मतलब नहीं है।

ऐसा नहीं होने पर यह मजाक बनकर रह जाता है।' पीठ ने कहा कि अधिकारियों को इस मुद्दे को गंभीरता से लेकर कार्रवाई करनी होगी। उसने कहा, 'आपको इस पर वास्तव में नियंत्रण करना होगा। हम हर साल संतुलन बनाने की कोशिश करते हैं, लेकिन सभी का सहयोग नहीं मिलने पर ऐसा नहीं किया जा सकता।' पीठ ने

देखने के लिए जमीनी स्तर पर मौजूद रहना चाहिए कि वास्तव में क्या हो रहा है। पीठ ने भाटी से कहा, 'हम हर साल आदेश जारी करते हैं और वे केवल सैद्धांतिक बचन बनकर रह जाते हैं। अदालत के तौर पर हम संतुलन बनाने की कोशिश करते हैं, लेकिन आपको भी कुछ करना होगा।' भाटी ने पीठ को वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार और सीएनयूएम द्वारा उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'दिल्ली सरकार ने इस साल व्यापक योजना बनाई है।' भाटी ने बताया कि नवंबर से कई उपाय लागू किए जाएंगे, जिनमें पुराने वाहनों पर पाबंदियां, निर्माण एवं तोड़फोड़ गतिविधियों पर रोक और दिल्ली में कार्यालयों के समय में चरणबद्ध बदलाव शामिल हैं। केन्द्र ने पीठ को यह भी बताया कि पटाखों में बेरियम के इस्तेमाल से संबंधित मुद्दे पर उसके स्तर पर आंतरिक विचार-विमर्श जारी है।

'इंडिया' गठबंधन की रामलीला मैदान में रैली: सुरक्षा में 3,500 पुलिसकर्मी तैनात होंगे

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली 'इंडिया' गठबंधन की रैली के लिए बृहस्पतिवार को तैयारियां तेज कर दी गईं। विपक्षी गठबंधन ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं को लेकर यह रैली आयोजित करने का निर्णय किया है। रामलीला मैदान में विपक्षी नेताओं के लिए मुख्य मंच के ऊपर तिरंगे के रंग वाला बड़ा तंबू लगाया जा रहा है।

इसके अलावा, 'इंडिया' गठबंधन के विभिन्न राज्यों के घटक दलों के लिए एक अन्य मंच तैयार किया जा रहा है। आसपास सफेद शामियाने लगाए गए हैं और लोगों की आवाजाही नियंत्रित करने के लिए अवरोधक लगाए जा रहे हैं। रैली सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक आयोजित होगी। कांग्रेस ने दावा किया है कि इसमें करीब 10 लाख लोग शामिल होंगे। वहीं, दिल्ली



पुलिस के अनुसार, लगभग 50,000 लोगों के जुटने की संभावना है और सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन के लिए करीब 3,500 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। कांग्रेस विभिन्न राज्यों से कार्यकर्ताओं को जुटाने की तैयारी कर रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोगों, विद्यार्थियों और नागरिक समाज संगठनों से रैली में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने इसे लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का आंदोलन बताया है। पुलिस ने बताया कि कार्यक्रम की निगरानी के लिए 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरे, शरीर पर लगाए जाने वाले कैमरे और निगरानी उपकरणों से लैस वाहनों का

इस्तेमाल किया जाएगा। भीड़ प्रबंधन के लिए मैदान को 14 जोन में बांटा गया है और रिजर्व बलों की 10 कंपनियां तैनात की जाएंगी। भारतीय युवा कांग्रेस ने कहा कि कुछ प्रतिभागी सफेद कपड़े पहनकर भूतों का रूप धारण करेंगे। यह उन मतदाताओं का प्रतीक होगा, जिन्हें कथित तौर पर मृत घोषित कर दिया गया है या जिनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। संगठन के अनुसार, कुछ प्रतिभागी 'बेटमैन' के मुखौटे भी पहनेंगे। कांग्रेस नेता मनीष चतरथ को संबंधित 17 अक्टूबर के एक आधिकारिक पत्र के अनुसार, पार्टी को 25 अक्टूबर से 'इंडिया' गठबंधन के प्रति जनता में बढ़ते उत्साह का पता चलता है।

यूपी विधान परिषद चुनाव में इंडिया गठबंधन का मजबूत प्रदर्शन, कांग्रेस ने 2027 का सेमीफाइनल बताया

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनावों में 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के प्रदर्शन को बृहस्पतिवार को विपक्षी गठबंधन की जीत तथा 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले का 'सेमीफाइनल' करार दिया और पार्टी नेताओं ने वाराणसी तथा लखनऊ में समाजवादी पार्टी (सपा) की जीत को रेखांकित करते हुए इसे आगामी विधानसभा चुनावों के लिए महत्वपूर्ण बताया। 'इंडिया' गठबंधन में सपा की सहयोगी कांग्रेस ने 11 सीट में से किसी पर भी अपना उम्मीदवार नहीं उतारा था। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि यह निर्णय पहले से तय था और भाजपा विरोधी मतों को एकजुट रखने और 'इंडिया' गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए सपा के साथ आपसी सहमति से यह फैसला लिया गया था। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमिटी की अध्यक्ष अर्चना मिश्रा 'मोना' ने कहा कि चुनाव परिणामों से 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले 'इंडिया' गठबंधन के प्रति जनता में बढ़ते उत्साह का पता चलता है।

जनता जिसके साथ है, जीत उसके हाथ है—एमएलसी नतीजों के बाद एसएन सिंह का विपक्ष पर पलटवार

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

गाजियाबाद। एमएलसी चुनाव के नतीजों के बाद चुनावी प्रक्रिया, निष्पक्षता, ईवीएम और एसआईआर को लेकर उठ रहे सवालों पर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। बीजेपी प्रवक्ता एसएन सिंह ने विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि जनता का फैसला ही सबसे बड़ा जवाब है। उन्होंने कहा कि जनता जिसके साथ है, जीत उसके हाथ है।

एसएन सिंह के मुताबिक, चुनाव में अंतिम निर्णय मतदाता का होता है और जनता अपने मत के जरिए अपनी राय व्यक्त करती है। उन्होंने कहा कि नतीजों के बाद भी विपक्ष की ओर से चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं, जबकि लोकतंत्र में जनता का जनादेश सर्वोपरि है। उनके अनुसार, चुनाव को लेकर किसी भी पक्ष को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन जनादेश का सम्मान भी किया जाना चाहिए। एमएलसी चुनाव के बाद ईवीएम और एसआईआर प्रक्रिया को



लेकर विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों के बीच सिंह ने कहा कि इन मुद्दों पर जनता के फैसले ही जनता ही सबसे बड़ी निर्णायक होती है। दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस प्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) इकाई ने 20 और 21 अक्टूबर की दरमियानी रात उत्तर प्रदेश के मथुरा में छापेमारी कर जितेंद्र

सवालों पर संबंधित पक्षों की प्रतिक्रियाएं और आधिकारिक तथ्य भी महत्वपूर्ण हैं। एसएन सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही सबसे बड़ी निर्णायक होती है। चुनाव के दौरान राजनीतिक दल मतदाताओं के सामने अपना पक्ष रखते हैं और मतदाता अपने विवेक से फैसला करते हैं। उनके मुताबिक, चुनाव के

जनादेश का सम्मान लोकतंत्र की पहचान

लोकतंत्र में चुनावी जीत और हार दोनों को स्वीकार करना जरूरी है। चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाना राजनीतिक दलों का अधिकार है, लेकिन निष्पक्षता से जुड़े आरोपों की पुष्टि तथ्यों और आधिकारिक जांच के आधार पर होनी चाहिए। जनता का विश्वास बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों और चुनावी संस्थाओं की साझा जिम्मेदारी है।

नतीजे जनता की पसंद को दर्शाते हैं और सभी दलों को उस फैसले का सम्मान करना चाहिए। बीजेपी प्रवक्ता का यह बयान चुनावी नतीजों के बाद जारी राजनीतिक बहस के बीच आया है। विपक्ष जहां चुनाव की निष्पक्षता और प्रक्रिया को लेकर सवाल उठा रहा है, वहीं बीजेपी की ओर से जनता के जनादेश को अंतिम जवाब बताया जा रहा है। 'जनता का साथ, जीत का विश्वास'—एसएन सिंह ने इसी संदेश के साथ विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया।

संपादक की कलम



सत्य की दौलत, झूट का कर्ज

भारत अपनी संस्कृति, आध्यात्मिकता, अहिंसा धर्मनिरपेक्षता, परमो धर्मा और सच्चाई की मूरत राजा हरिश्चंद्र इत्यादि अनेकों विषेषताओं के लिए विश्व प्रसिद्ध है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गौंदिया महाराष्ट्र से यह मानता हूं कि एक झूट के पीछे सब झूठ बोलना पड़ता है और झूठ के दलदल में मनुष्य धुसता चला जाता है। जिससे उसकी वर्तमान पीढ़ी तो ध्वस्त होती ही है पर आने वाली पीढ़ियों



ललित शर्मा

संपादक

उल्लेख जरूर देखते हैं। यही सत्य है कि हमेशा सत्य की विजय होती है। साथियों बात अगर हम भारतीय आध्यात्मिकता की करें तो हमें यही ज्ञान मिलता है कि सत्य व दौलत है जैसे पहले खर्च करो फिर जिंदगी भर आनंद पाओ और झूठ वह कर्ज है जिससे क्षणिक सुख पाओ और जिंदगी भर उसे चुकाते रहो बिल्कुल सत्य वचन।साथियों यह बात अगर मानव के हृदय में बस जाए तो वह वाह बात है ! हम पृथ्वी लोक में ही स्वर्ग के दर्शन कर सकेंगे।अगर हर भारतीय व्यक्ति चाहे वह सरकारी हो या शासकीय कर्मचारी, मंत्री हो या नेता, कार्यकर्ता हो या मालिक,सभी अगर सत्यता रुपी दौलत को पूरी निष्ठा से खर्च करें अर्थात ईमानदारी से अपनी अफसर शाही ड्यूटी, व्यापार-व्यवसायज दिनचर्या अर्थात जीवन के हर काम हर मोड़ पर सत्यता बरसाएंगे तो वह खुद तो जीवन का आनंद जरूर पाएंगे परंतु उससे अधिक भारत को स्वर्ग जैसा सुंदर रचना बनाने में अहम रोल अदा करेंगे। भारत एक अपराध मुक्त भारत की परिकल्पना में साकार होगा।कोई अदालत, पुलिस स्टेशन,जांव एजेंसियां नही होगी क्योंकि यह सब झूठ और अपराध को काटने के लिए ही बनाई गई हैं। साथियों बात अगर हम झूठ की करें तो हमने अपने व्यवहारिक जीवन में देखा होगा कि बेईमान, रिश्वतखोर, झूठा, भ्रष्टाचारी, धोखेबाज इत्यादि तरह के मानव कभी अपने जीवन में सुखी नही होते। चाहे कितना भी अवैध धन कमा लें, उनके पीछे परिवार का, उनके स्वास्थ्य का, मानसिक हालत हमेशा दुखों में बनी रहती हैउन्के शरीर के नसों में झूठ रुपी खून दौड़ता है और इन नकारात्मक झूठे व्यवहारों से उनका क्षणिक आर्थिक सुख मिलता है परंतु उसके लिए उनको जीवन भर कष्टों में गुजारना पड़ता है। जितना क्षणिक सुख प्राप्त होता है वह ब्याज सहित याने अतिरिक्त दुख सहित यही इस जीवन में भोगना पड़ता है और फिर अंत में पछताते हैं के ऐसा क्यों हुआ,ऊपर वाले से क्षमा याचना करते हैं।पर कहते हैं ना कि जब चिड़िया युग गई खेत,अब पछतावे क्या होए?? साथियों बात अगर हम सत्य की गहराई की करें तो, सत्य दो प्रकार का होता है- एक व्यवहारिक सत्य और दूसरा वास्तविक। व्यवहारिक सत्य का अर्थ है जिसदेखा, जैसा सुना और जैसा अनुभव किया, उसको वैसा ही बोलना सत्य कहलाता है।व्यवहारिक सत्य में हो सकता है, जो एक के लिए सत्य है, वो दूसरे के लिए असत्य हो। वैसे तो हर व्यक्ति अपने मुताबिक अपना सत्य बना लेता है। यह व्यवहारिक सत्य, अनुभव, नजरिए और देश, काल के आधार पर अलग-अलग हो सकता है।

रंग बदलता इन्सान

उदय कशोर साह

कविता



जंगल के गिरगिट भी है शर्मसार
रंग बदलना सीख लिया होशियार
वाह रे नालायक तेरी महिमा अपार
गिरगिट की तरह रंग बदले दो चार

हवा की रूख , पहचान मुड़ जाना
जैसी देवता पूजा करे मनमाना
पिटारा तेरी चापलुसी भरा भंडार
बहुरूपिये से ये जग है आज लाचार

चमचागिरी में दंक्ष है ये निशाचर
झुटी कहानी गढ़ लेता है. सरासर
मिथ्या प्रपंशा परोसते जय जयकार
नंगा नाच दिखाते जा उनके दरबार

मुख में राम बगल में है लिये कटारी
नीज मतलब की बना लेते है जुगाड़ी
भाँड़ में जाये जनता की संसार
नई दुनियां की ये है नई अवतार

भीड़ तंत्र का ये होता है सच्चा रखवाला
सफेद पोष में छुपा है इनका चेहरा काला
दुराचारी के पक्ष में खड़ा है ले हथियार
नीच खानदान की ये है नीच किरदार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया ।
संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

जियो की छलांग और विकसित भारत की नई आर्थिक गाथा



ललित गर्ग

लेखक

किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में प्रवेश के बाद उसने इंटरनेट सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, डेटा की

कीमतों में व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जियो की असली उपलब्धि केवल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी का दायरा विस्तृत करना है। रिलायंस की सफलता को मुकेश अंबानी के नेतृत्व में विकसित दीर्घकालीन कारोबारी दृष्टि, बड़े निवेश और बदलते समय के अनुरूप व्यवसाय का विस्तार करने की रणनीति के संदर्भ में समझना चाहिए। धीरूभाई अंबानी ने जिस उद्यमशीलता को व्यापक जनभागीदारी और पूँजी बाजार से जोड़ने की नींव रखी, उसे आगे बढ़ाते हुए समूह ने पेट्रोकेमिकल, ऊर्जा, खुदरा व्यापार और दूरसंचार जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत की। जियो ने इस विरासत को डिजिटल युग की आवश्यकताओं से जोड़ा। इस यात्रा का संदेश स्पष्ट है-समय के साथ जो नहीं बदलता, समय उसे पीछे छोड़ देता है, जो समय की आहट पहचान लेता है, वही भविष्य की दिशा तय करने लगता है।

28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्मस की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता ने इस यात्रा को नया आयाम दिया। लगभग 30,213 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूँजीकरण 12.5 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुँच गया और कारोबार के पहले दिन यह देश की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। रिलायंस समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य भी टाटा समूह से आगे निकल गया। ये आँकड़े भारतीय पूँजी बाजार के बदलते स्वरूप और डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेशकों के विश्वास को दर्शाते हैं। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि बाजार पूँजीकरण कंपनियों को मूल्यांकन का पैमाना है, आम



नागरिक की समृद्धि का नहीं। शेयर बाजार में ऊँचाई तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अर्थव्यवस्था की जड़ों तक पहुँचे। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदत्त अनंत अंबानी का भावपूर्ण वक्तव्य चचाओं में हैं, उन्होंने इस व्यावसायिक उपलब्धि को पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक संवेदना से जोड़कर अर्थ के साथ अध्यात्म के महत्व को उजागर किया है। उन्होंने कारोबार की तुलना पूजा से और शेयरों को प्रसाद की तरह देश के साथ साझा करने की भावना से की। उनके शब्दों में कृतज्ञता, पारिवारिक विरासत और लाखों ग्राहकों के योगदान की स्वीकृति थी। मुकेश अंबानी का भावुक होना भी इस बात का प्रतीक था कि किसी बड़ी उपलब्धि के पीछे वर्षों का परिश्रम, संघर्ष, विश्वास और पीढ़ियों के सपने जुड़े होते हैं। यहाँ एक विचार विशेष रूप से उल्लेखनीय है-व्यापार केवल लाभ कमाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास अर्जित करने का माध्यम भी है। जब कोई कंपनी अपनी सफलता में कर्मचारियों, तकनीशियनों, साझेदारों और उपभोक्ताओं के योगदान को स्वीकार करती है, तब उद्यम का मानवीय पक्ष सामने आता है। फलदार वृक्ष जितना ऊँचा होता है, उसकी शाखाओं में उतनी ही विनम्रता होनी चाहिए। यही विनम्रता किसी कारोबारी साम्राज्य

को स्थायी प्रतिष्ठा प्रदान करती है। अनंत अंबानी की पशुसेवा और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता भी इसी व्यापक सामाजिक उत्तरदायित्व के संदर्भ में देखी जा सकती है। उद्योग की वास्तविक प्रतिष्ठा तब बढ़ती है, जब आर्थिक प्रगति के साथ जीवों के प्रति करुणा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी आगे बढ़े।

दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी हिमाचल पशुचरिस्टिक लिमिटेड (एचएफसीएल) के संस्थापक एवं उद्योगपति महेन्द्र नाहटा ने जियो के ऐतिहासिक लॉन्चिंग समारोह में सहभागिता करते हुए इसे भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और आध्यात्मिक संवेदना का अनूठा संगम बताया। उनके अनुसार, जियो की यह उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल सामर्थ्य, उद्यमशीलता और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा का प्रतीक है। उनके अनुसार अनंत अंबानी के आशीर्वाद, संस्कार और जनभागीदारी से जुड़े भावपूर्ण उद्घोषण ने इस आयोजन को मार्मवीय संवेदनाओं की विशिष्ट ऊँचाई प्रदान की। निस्संदेह, जियो की यह उड़ान नए भारत के आत्मविश्वास, नवाचार और विकास भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला ऐतिहासिक अध्याय

है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, डिजिटल भुगतान, आधारभूत डिजिटल सुविधाओं और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने वाली पहलों ने देश के तकनीकी परिवर्तन के लिए अनुकूल वातावरण बनाया है। इस विकास में सरकार की नीतियों, निजी क्षेत्र के निवेश, वैज्ञानिक प्रतिभा और करोड़ों नागरिकों की भागीदारी का साझा योगदान है। जियो ने इस वातावरण का उपयोग करते हुए डिजिटल संपर्क का विस्तार किया। भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी इसी व्यापक विकास यात्रा का हिस्सा है। परंतु आर्थिक आकार के साथ प्रति व्यक्ति आय, गुणवत्तापूर्ण रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। आगे की चुनौती और भी बड़ी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बादल आधारित संगणना, अंतरिक्ष से संपर्क और नई डिजिटल सेवाओं में निवेश भारत के लिए व्यापक अवसर पैदा कर सकता है। मगर तकनीक का लाभ तभी समावेशी होगा, जब ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत संपर्क, डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और व्यक्तिगत आँकड़ों की गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। दूरसंचार कंपनियों को सेवा की गुणवत्ता, उचित कीमत और उपभोक्ता हितों के बीच संतुलन बनाना होगा। टाटा, एयरटेल और दूसरे भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धा भी इस क्षेत्र को अधिक सक्षम बना सकती है। एक हाथ से ताली नहीं बजती-विकसित भारत के निर्माण में सरकार, उद्योग, निवेशक, श्रमिक और उपभोक्ता सभी की भूमिका है। रिलायंस के सामने भी भविष्य का मार्मवीय संवेदनाओं की विशिष्ट ऊँचाई प्रदान की। निस्संदेह, जियो की यह उड़ान नए भारत के आत्मविश्वास, नवाचार और विकास भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला ऐतिहासिक अध्याय

उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा। आर्थिक विकास का उद्देश्य केवल कुछ कंपनियों को वैश्विक शक्ति बनाना नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के जीवन में स्थिरता, सम्मान और अवसर लाना होना चाहिए। वस्तुतः जियो की उपलब्धि नए भारत की उस आकांक्षा का प्रतीक है, जो तकनीक में आत्मविश्वास, व्यापार में विस्तार और विश्व अर्थव्यवस्था में नेतृत्व चाहती है। किंतु मॉजिल अभी दूर है। सच्ची सफलता वह नहीं, जहाँ कुछ लोग शिखर पर पहुँच जाएँ, सच्ची सफलता वह है, जहाँ शिखर तक पहुँचने के रास्ते सबके लिए खुलें। रिलायंस की यह आर्थिक छलांग तभी इतिहास में स्थायी स्थान बनाएगी, जब इसके साथ रोजगार बढ़ेगा, आय की विषमता घटेगी और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचेगी। यही विकसित भारत का सार है-समृद्ध उद्योग, सक्षम नागरिक और संवेदनशील समाज। अनंत अंबानी ने जियो के नाम में छिपे आशीर्वाद के भाव को जिस आत्मीयता से अभिव्यक्त किया, वह भारतीय संस्कृति, पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक चेतना का सुंदर संगम है। उन्होंने कहा कि ‘माँ कहती है-जियो मेरे लाल, दादी कहती हैं-जुग-जुग जियो और दोस्त कहते हैं-जियो मेरे जय’। इस तरह ‘जियो’ केवल एक व्यावसायिक नाम नहीं, बल्कि शुभकामना, आशीर्वाद, स्नेह और मंगलकामना का जीवंत संदेश बन जाता है। जब उन्होंने कारोबार को पूजा और शेयरों को प्रसाद की संज्ञा दी, तब उन्होंने आर्थिक उपलब्धि को जनभागीदारी और कृतज्ञता से जोड़ने का अनूठा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। सचमुच, जब व्यापार में आशीर्वाद का भाव और सफलता में समाज की साझेदारी जुड़ जाए, तब उद्यम केवल समृद्धि का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास का उत्सव बन जाता है।

किताबें पढ़ें, इनाम पाएं: पंजाब का अनोखा गाँव रण सिंह कलां

महत्त्वपूर्ण संदेश देती है। गाँव के पुस्तकालय में लगभग एक हजार किताबें होने की जानकारी यह संकेत देती है कि ज्ञान के स्रोतों को लोगों तक पहुँचाना सामाजिक परिवर्तन की पहली सीढ़ी है।

पढ़ने के साथ सीखने की परख

इस पहल की एक विशेष बात यह है कि पढ़ने को केवल किताबों की संख्या तक सीमित नहीं रखा जाता। वर्ष के अंत में लिखित और मौखिक परीक्षाओं के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया जाता है कि पाठकों ने पढ़ी गई किताबों से क्या सीखा है। अच्छा प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया जाता है और पढ़ने वालों को आर्थिक पुरस्कार देकर भी प्रोत्साहित किया जाता है।

यह तरीका एक महत्त्वपूर्ण सिद्धांत को उजागर करता है: पढ़ने का वास्तविक उद्देश्य केवल पन्ने पलटना नहीं, बल्कि ज्ञान प्राप्त करना और उसे जीवन में उपयोग करना है।

जब पाठक को पता होता है कि उसे पढ़ी गई सामग्री के बारे में अपने विचार व्यक्त करने होंगे, तो वह अधिक ध्यान से पढ़ने का प्रयास कर सकता है। लिखित परीक्षा उसकी समझ और स्मरण शक्ति को परखती है, जबकि मौखिक परीक्षा विचार व्यक्त करने तथा आत्मविश्वास के साथ बोलने की क्षमता विकसित करने में मदद कर सकती है।

इस प्रकार पढ़ने की प्रक्रिया केवल व्यक्तिगत मनोरंजन नहीं रह जाती, बल्कि सीखने, विचार करने और स्वयं को बेहतर बनाने का साधन बन जाती है।

क्या किताबें पढ़ने के लिए पैसे देना उचित है?

कुछ लोग यह प्रश्न उठा सकते हैं कि क्या पैसे देकर पढ़ने की आदत विकसित करना सही है? क्या बच्चों को ज्ञान प्राप्त करने के लिए पुरस्कार की आवश्यकता होनी चाहिए? यह प्रश्न उचित है। पढ़ने का सबसे अच्छा आधार आंतरिक प्रेरणा है—जब कोई व्यक्ति अपनी जिज्ञासा, रुचि और सीखने की इच्छा के कारण पढ़ता है। लेकिन रह अच्छी आदत शुरूआत से ही अपने आप विकसित नहीं होती। कई बार छोटे-छोटे प्रोत्साहन व्यक्ति को पहला कदम उठाने के लिए प्रेरित करते हैं। किसी बच्चे को पहली बार किताब पढ़ने के लिए पुरस्कार मिल सकता है,



लेकिन धीरे-धीरे उसे कहानी के रोमांच, नए ज्ञान और सीखने के खुशी से जोड़ना आवश्यक है। इसी प्रकार वयस्कों के लिए भी पुरस्कार शुरूआती प्रेरणा बन सकता है, लेकिन दीर्घकालीन सफलता के लिए पढ़ने की जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है।

इसलिए आर्थिक पुरस्कारों को पढ़ने का एकमात्र उद्देश्य बनाने के बजाय, उन्हें अच्छी आदत विकसित करने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण में भी अनोखी पहल

रण सिंह कलां की विशेषता केवल किताबें पढ़ने को प्रोत्साहित करने तक सीमित नहीं है। गाँव में पर्यावरण की रक्षा के लिए किए गए प्रयास भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

प्लास्टिक का कचरा इकट्ठा करके देने के बदले चीनी देने की पहल इस बात का उदाहरण है कि पर्यावरण संरक्षण को लोगों के दैनिक जीवन से कैसे जोड़ा जा सकता है। आमतौर पर लोग प्लास्टिक के कचरे को बेकार समझकर इधर-उधर फेंक देते हैं। लेकिन जब उसे इकट्ठा करने के लिए कोई सरल और उपयोगी प्रोत्साहन दिया जाता है, तो लोगों की भागीदारी बढ़ सकती है।

इसी तरह पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने वालों को आर्थिक प्रोत्साहन देने की योजना पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी मजबूत करने का एक तरीका है। केवल पेड़ लगाना ही पर्याप्त नहीं है; उन्हें पानी देना, पशुओं से बचना और बढ़ा होने तक उनकी देखभाल करना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है।

इन प्रयासों का वास्तविक महत्त्व इस बात में है कि ये लोगों को समझाओं के बारे में केवल भाषण सुनने के बजाय स्वयं कार्यवाई करने

का सहयोग लिया जा सकता है। बच्चों और वयस्कों के लिए अलग-अलग पठन प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा सकती हैं। महीने की सबसे अच्छी किताब पढ़ने वाले, उससे सबसे अधिक सीखने वाले या पुस्तक से प्राप्त विचार को व्यवहार में लाने वाले व्यक्ति को सम्मानित किया जा सकता है।

लेकिन इन प्रतियोगिताओं में केवल पढ़ी गई किताबों की संख्या को महत्त्व नहीं देना चाहिए। समझ, आलोचनात्मक सोच, नए विचारों और सीखे गए ज्ञान के उपयोग को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे प्रतियोगिता स्वस्थ रहेगी और पढ़ने की वास्तविक भावना बनी रहेगी।

पर्यावरण के क्षेत्र में प्लास्टिक इकट्ठा करने, कचरे को अलग-अलग करने, वर्षा जल संरक्षण, पेड़ लगाने और उनकी देखभाल के लिए सामूहिक कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं। स्कूली विद्यार्थियों को इनमें शामिल करने से उम्रें बचपन से ही जिम्मेदारी की भावना विकसित हो सकती है।

पंचायत, स्कूल और परिवार की भूमिका

किसी भी सामाजिक पहल की दीर्घकालीन सफलता के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। पंचायत स्थान और बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध करा सकती है। स्कूल बच्चों को किताबों से जोड़ सकते हैं। शिक्षक पढ़ने का महत्त्व समझा सकते हैं, जबकि माता-पिता घर में पढ़ने के लिए समय निर्धारित कर सकते हैं। यदि बच्चे अपने माता-पिता को किताबें पढ़ते हुए देखते हैं, तो वे भी इस आदत को अपनाने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। हर घर में महंगा पुस्तकालय बनाने की आवश्यकता नहीं है। कुछ अच्छे किताबें, प्रतिदिन पढ़ने के लिए निर्धारित समय और उनके बारे में बातचीत ही एक अच्छी शुरूआत हो सकती है। इसी तरह गाँव के युवा पुस्तकालय के स्वयंसेवक बन सकते हैं, बच्चों को कहानियाँ सुना सकते हैं और बुजुर्गों के जीवन के अनुभवों को लिखित रूप में सुरक्षित रख सकते हैं। इससे पीढ़ियों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान भी बढ़ेगा।

पुरस्कार से बड़ा पुरस्कार—बदलती सोच

किताबें पढ़ने के बदले मिलने वाला पैसा किसी पाठक के लिए सुनहं फैलती है, तो केवल ज्ञान ही नहीं बढ़ता—समाज की सोच, संस्कृति और भविष्य भी निखरता है।

तत्काल खुशी का कारण हो सकता है। लेकिन इस पहल की सबसे बड़ी सफलता तब होगी, जब लोग पुरस्कार के बिना भी पढ़ना जारी रखेंगे।

जब कोई बच्चा किताब पढ़कर विज्ञान में रुचि लेने लगता है, जब कोई युवा अपने करियर के बारे में अधिक समझदारी से निर्णय करता है और जब कोई बुजुर्ग नई जानकारी प्राप्त करके अपने अनुभव दूसरों के साथ साझा करता है, तब पढ़ने का वास्तविक लाभ सामने आता है।

इसी तरह जब कोई व्यक्ति प्लास्टिक को गली में फेंकने के बजाय इकट्ठा करता है, पेड़ लगाकर उसकी देखभाल करता है या दूसरों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करता है, तो पर्यावरण संरक्षण एक अभियान से आगे बढ़कर जीवनशैली बनने लगता है।

निष्कर्ष: छोटी पहल, बड़ा संदेश

रण सिंह कलां का उदाहरण हमें याद दिलाता है कि सरसज में बदलाव लाने के लिए हमेशा बड़ी सरकारी परियोजनाओं या बहुत अधिक धन की आवश्यकता नहीं होती। सही सोच, स्थानीय भागीदारी, निरंतर प्रयास और लोगों को जोड़ने वाली सरल योजनाओं या महत्त्वपूर्ण परिणाम दे सकती हैं।

यदि एक गाँव किताबें पढ़ने को सम्मान से जोड़ सकता है, प्लास्टिक इकट्ठा करने के लिए लोगों को प्रेरित कर सकता है और पेड़ों की देखभाल को प्रोत्साहित कर सकता है, तो दूसरे गाँव भी अपनी आवश्यकताओं के अनुसार ऐसे प्रयोग कर सकते हैं। आज आवश्यकता केवल अधिक डिग्रियाँ प्राप्त करने की नहीं, बल्कि ज्ञानवान, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनने की है। किताबें हमें सोचना सिखाती हैं और सामाजिक पहल हमें उस सोच को व्यवहार में लाने का अवसर देती हैं। अब प्रश्न हमारे सामने है: यदि आपको किताबें पढ़ने के लिए पैसे या पुरस्कार मिलें, तो क्या आप प्रतिदिन पढ़ने की आदत विकसित करेंगे? और क्या आप अपने गाँव या मोहल्ले में एक छोटा पुस्तकालय शुरू करने के लिए पहला कदम उठाएँगे?

क्योंकि जब गाँवों में किताबों की सुनहं फैलती है, तो केवल ज्ञान ही नहीं बढ़ता—समाज की सोच, संस्कृति और भविष्य भी निखरता है।



गीता के ‘योगक्षेम वहाम्यहम्’ श्लोक का नाट्य का किया गया मंचन

गीता शोध संस्थान और भगवत प्रेरणा गुरुकुलम के बटुकों ने किया गीता आधारित प्रेरक मंचन, मयूर नृत्य, डांडिया की आकर्षक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोहा मन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा /वृंदावन। स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह में गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के सहयोग से भगवत प्रेरणा वैदिक विद्यापीठ गुरुकुलम, गोंधूलिपुरम के बटुकों ने श्रीमद्भगवद्गीता के नवम अध्याय के 22वें श्लोक पर आधारित प्रेरक नाट्य मंचन प्रस्तुत किया। गुरुकुल के विद्यार्थियों ने अपने अभिनय के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिए गए गीता के संदेश को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। वहीं, गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के प्रशिक्षु बालक-बालिकाओं ने मयूर नृत्य, डांडिया और महारास की मनोहारी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गुरुकुल के बटुकों ने आचार्य

राघव शुक्ला शास्त्री के सानिध्य में नाट्य मंचन किया। गीता के नवम अध्याय के 22वें श्लोक ह्यअनन्याश्चिन्तयन्तो मां ये जनाः पयुर्पासते। तेषां नित्याभियुक्तानां योगक्षेमं वहाम्यहम्।।ह्म के भाव को मंचन के माध्यम से समझाया गया। इस श्लोक में भगवान श्रीकृष्ण अनन्य भाव से उनकी उपासना करने वाले भक्तों के योगक्षेम का दायित्व स्वयं लेने का आश्वासन देते हैं।

गीता मर्मज्ञ महेश चंद्र शर्मा ने मंचन के भाव को स्पष्ट करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में जो उपदेश दिए हैं, उनका महत्व शाश्वत है। गीता का प्रत्येक शब्द और प्रत्येक वाक्य जीवन के लिए प्रेरणादायी है। मंचन के माध्यम से इन्हीं शिक्षाओं को जनमानस तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।



गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के प्रशिक्षुओं ने ब्रज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और महारास की परंपरा का सजीव प्रदर्शन किया। श्रीकृष्ण की भूमिका में कु. पूनम और अजय शर्मा ने अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया, जबकि राधा की भूमिका में कु. तमन्ना और

कु. तान्या सिंह ने नृत्य एवं भावाभिव्यक्ति से प्रस्तुति को आकर्षक बनाया। मयूर नृत्य और डांडिया की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में ब्रज संस्कृति की छटा बिखेरी। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में दिशा चौधरी, माही पांडे, वैष्णवी शर्मा, करिश्मा, सोनिया निषाद, जाह्नवी देवनाथ, कनिका देवनाथ, प्रियांशी



बघेल, तमन्ना शर्मा, प्रगति शर्मा, तनिष्का वर्मा, गुंजन चौधरी, वंशिता वैश्य, सोनिया चौधरी, भूमिका वर्मा, राधिका वर्मा, हर्षिता, अनन्या नामदेव, राधा रानी मंडल, मोहिनी ठाकुर, हर्षिता नामदेव, सुलक्षणा, अनन्या वर्मा, रूपेश चौधरी, जागृति पांडे, तान्या सिंह, पूनम राजपूत, अभय झा, अभिषेक झा,

अजय शर्मा, ऋषभ शर्मा, प्रिया, अस्था अस्थाना, करण, हिमांशु गोस्वामी, दिव्या, वेदांगी, अनन्या आर्य, रोहित, ध्रुव निषाद और अशोक चतुर्वेदी सहित अन्य प्रशिक्षुओं ने सहभागिता की। संगीत पक्ष में आकाश शर्मा ने हारमोनियम, मनमोहन कौशिक ने सारंगी तथा सुनील पाठक और केशव

पाठक ने तबले पर संगत की। कु. मानसी राजपूत ने नृत्य संयोजन एवं कोरियोग्राफी का दायित्व निभाया, जबकि ऋतु सिंह ने मंच निर्देशन और श्रृंगार व्यवस्था संभाली। गीता शोध संस्थान के कार्यालय प्रबंधक दीपक शर्मा, रामवीर, बच्चू सिंह, मनीष कुमार और विक्रम दिवाकर सहित अन्य कर्मचारियों ने आयोजन की व्यवस्थाओं में सहयोग किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि मथुरा-वृंदावन नगर निगम के उपमहापौर मुकेश सारस्वत सहित धमचार्य गौरांग दास, साहित्यकार अजीब अंजुम, श्रीमती अंजना अंजुम, श्रीमती संतोष निशा रावत, बांसुरी संस्था के संस्थापक विनय गोस्वामी, गीता मर्मज्ञ महेश चंद्र शर्मा, भाजपा नेत्री पूजा चौधरी और सोनम चौधरी

सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर संगीत प्रशिक्षकों को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से अतिथियों ने स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के कोऑर्डिनेटर चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने कार्यक्रम के संयोजन एवं मंच निर्देशन का दायित्व निभाया। उन्होंने मंचन के समन्वय और आयोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी भी संभाली। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के तकनीकी विशेषज्ञ आर.पी. सिंह, सहायक अभियंता दुधनाथ यादव, ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ डॉ. उमेश चंद्र शर्मा तथा दीपक शर्मा, रामवीर सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग किया।

पहली नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली रैली ऐतिहासिक होगी: अभिषेक दत्त

जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्वांचल प्रमारी ने कार्यकर्ताओं से की मुलाकात, राहुल गांधी के नेतृत्व में होने वाली रैली की तैयारियों पर की चर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिला कांग्रेस कार्यालय पर राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्वांचल प्रभारी अभिषेक दत्त का सुबह 11 बजे आगमन हुआ। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर आगामी पहली नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित होने वाली इंडिया गठबंधन की रैली की तैयारियों को लेकर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से रैली को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटने और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। इस अवसर पर अभिषेक दत्त ने कहा कि पहली नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली रैली ऐतिहासिक होगी। यह रैली देश के संविधान में विश्वास रखने वाले सभी देशवासियों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और



संविधान की रक्षा के साथ-साथ नागरिकों के वोट देने के अधिकार को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि संवैधानिक पद पर रहते हुए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मदद कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि मुख्य चुनाव आयुक्त को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन

लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण चंद पाण्डेय ने कहा कि पहली नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली में संतकबीरनगर जिले से हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि जिले के लोग अपने निजी साधनों और संसाधनों से दिल्ली के लिए रवाना होंगे तथा अपने नेता राहुल गांधी के

नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में पूरी भागीदारी निभाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और क्षेत्र-क्षेत्र में संपर्क कर रैली की तैयारियों को गति देने का आह्वान किया। बैठक के दौरान कांग्रेस नेताओं ने संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की भागीदारी और दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भी विचार-विमर्श किया। राष्ट्रीय सचिव अभिषेक दत्त ने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय

बनाकर काम करने और अधिक से अधिक लोगों तक रैली का संदेश पहुंचाने की अपील की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष देवेंद्र लाल श्रीवास्तव, देवेंद्र निषाद, प्रदेश सचिव मनोज यादव, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद नजीर, शांति देवी, दिलशाद अफसर, सैयद तारिक हुसैन, सुनील कुमार पाण्डेय, अरुण पांडेय, अशोक आर्य, सतीश साहनी, मुहम्मद परवेज अख्तर, दयाशंकर चौधरी, मोहन अंसारी, रमेश चौधरी, श्याम बिहारी पासवान उर्फ गोलू, राजीव गोंड, पुने लाल यादव, सुग्रीव पासवान, फैजान खान, निसार अहमद, अजय सिंह, मुनीलाल, राजन लाला, विजय विश्वकर्मा, हबीबुल्ला, अब्दुल कलाम, सत्या त्रिपाठी, श्यामलाल, चंद्रप्रकाश पासवान, जसुना प्रसाद, रामाश्रय यादव, सीमू खान, जमशेद अख्तर, सहारे आलम, रियाज प्रधान, बिट्टू सिंह, दुर्गेश पाठक, रवि राय और रमेश पांडेय सहित सैकड़ों कांग्रेसजन मौजूद रहे।

अप्रेन्टिसशिप मेला का आयोजन राजकीय आईटीआई, गोवर्धन में 31 अक्टूबर 2026 को

आयोजन राजकीय आईटीआई, गोवर्धन में 31 अक्टूबर 2026 को

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य ने अवगत कराया है कि वर्ष 2023, 2024, 2025 एवं 2026 में आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी एवं अन्य इच्छुक बेरोजगार अभ्यर्थी नौकरी करना चाहते हैं, वे दिनांक 31 अक्टूबर 2026 को अपने समस्त मूल प्रमाण-पत्र एवं स्वप्रमाणित फोटो प्रति एवं अन्य अभिलेख जैसे- शैक्षिक योग्यता, तकनीकी योग्यता, आधार कार्ड, बैंक डिटेल्स, फोटो के साथ प्रातः 10 बजे संस्थान में उपस्थित होकर भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में संस्थान में सम्पर्क करें। इस आयोजन ने एक बार फिर साबित किया कि साहित्य समाज को जोड़ने और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से परिचित कराने का सशक्त माध्यम है।

अष्ट-सखी कुंड की मूल वैधानिक सीमा के अनुसार हो सीमांकन और पुनरुद्धार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप की मांग, पुराने राजस्व अभिलेखों और न्यायालयीय आदेशों के परीक्षण पर दिया जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। राधाकुंड स्थित श्री अष्ट-सखी कुंड के संरक्षण एवं पुनरुद्धार को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मूल वैधानिक सीमा के अनुरूप सीमांकन कराने की मांग की गई है। इस संबंध में मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र भेजकर कुंड की वास्तविक सीमा निर्धारित करने से पहले पुराने राजस्व अभिलेखों, प्रामाणिक मानचित्रों और संबंधित न्यायालयीय आदेशों का समुचित परीक्षण कराने का आग्रह किया गया है।



है कि सीमांकन का आधार केवल वर्तमान जलक्षेत्र, मौजूदा भौतिक स्थिति अथवा वर्तमान कब्जों को न बनाया जाए। पत्र में आग्रह किया गया है कि कुंड की मूल वैधानिक सीमा की पहचान उपलब्ध राजस्व अभिलेखों, पुराने प्रमाणिक मानचित्रों तथा सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के संबंधित आदेशों के समुचित परीक्षण के बाद की जाए। इसके बाद ही

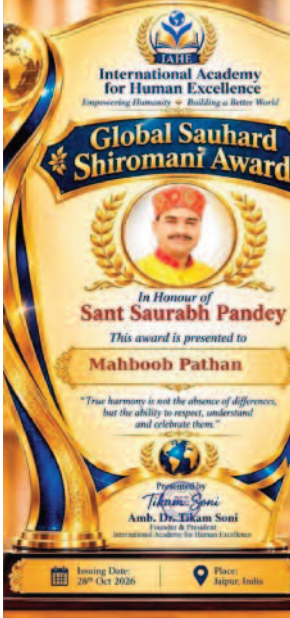
निर्धारित सीमा के अनुरूप सीमांकन, संरक्षण और पुनरुद्धार का कार्य सुनिश्चित किया जाए। प्रार्थना पत्र के अनुसार, इस प्रकरण से संबंधित आवश्यक न्यायालयीय आदेश, राजस्व अभिलेख और मानचित्र संबंधित विभागों के पास उपलब्ध हैं। आवेदक ने आवश्यकता पड़ने पर अपने पास मौजूद अभिलेखों की प्रतियां भी प्रस्तुत करने की बात कही है। मुख्यमंत्री से

व्यक्तिगत रूप से मामले का संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देने की मांग की गई है, ताकि किसी भी सर्वेक्षण या वर्तमान भौतिक स्थिति को अंतिम सीमा का आधार बनाने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों और आदेशों की जांच की जा सके। पत्र में कहा गया है कि ऐसा होने से कुंड के संरक्षण एवं पुनरुद्धार का कार्य विधिसम्मत, विवादरहित और स्थायी रूप से पूरा हो सकेगा।

महबूब पठान को मिला ग्लोबल सौहार्द शिरोमणि अवार्ड, संत सौरभ पाण्डेय के प्रति जताई कृतज्ञता

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पत्रकारिता एवं सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में सक्रिय महबूब पठान को ग्लोबल सौहार्द शिरोमणि अवार्ड से सम्मानित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय एकेडमी फॉर ह्यूमन एक्सप्लोरेंस (आईएएचई) की ओर से प्रदान किए गए इस सम्मान को उन्होंने सौहार्द शिरोमणि संत सौरभ पाण्डेय के सम्मान में समर्पित किया। इस उपलब्धि पर उनके पत्रकार साथियों, सहयोगियों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। यह सम्मान संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष एम्बेस्डर डॉ. तिकम सोनी द्वारा प्रदान किया गया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर महबूब पठान को वरिष्ठ पत्रकार डॉ. पी. एन. पाण्डेय तथा श्री संत सौरभ पाण्डेय का आशीर्वाद और उपस्थित गणमान्य लोगों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। महबूब पठान पत्रकारिता के माध्यम से जनहित, सामाजिक सरोकारों और आमजन से जुड़े मुद्दों को निरंतर प्रमुखता से उठाते रहे हैं।



ग्लोबल सौहार्द शिरोमणि अवार्ड सामाजिक सद्भाव, पारस्परिक सम्मान और मानवीय मूल्यों के महत्व को रेखांकित करता है। विभिन्न विचारों का सम्मान करना और विविधताओं

को स्वीकार करना ही वास्तविक सौहार्द का आधार है। सम्मान मिलने पर महबूब पठान ने कहा कि यह उनके लिए केवल एक अलंकरण नहीं, बल्कि समाज, सेवा और सकारात्मक

पत्रकारिता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को और मजबूती से निभाने की प्रेरणा है। उन्होंने इस सम्मान को अपने पाठकों, शुभचिंतकों और सहयोगियों को समर्पित करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। महबूब पठान ने विशेष रूप से वरिष्ठ पत्रकार डॉ. पी. एन. पाण्डेय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका स्नेह, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने संत सौरभ पाण्डेय के आशीर्वाद तथा सभी सहयोगियों और शुभचिंतकों के प्रति हृदय से कृतज्ञता जताई। उन्होंने कहा कि सम्मान मन को प्रसन्न करता है, लेकिन उसके अनुरूप निरंतर बेहतर कार्य करते रहना ही उसकी वास्तविक सार्थकता है। ग्रामीण पत्रकारों से एसिएशन के जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी, मण्डल प्रवक्ता/ मीडिया प्रभारी मुहम्मद परवेज अख्तर, तहसील अध्यक्ष खलीलाबाद अतीक अहमद, तहसील अध्यक्ष धनघटा अश्विनी पाण्डेय आदि ने बधाई दिये हैं।

प्रादेशिक कवि सम्मेलन में शब्दों के सितारों से जगमगाई ऐतिहासिक दशहरा मेले की छठी शाम

प्रदेश स्तरीय कवि सम्मेलन में नामचीन रचनाकारों की जुगलबंदी ने बांधा समां, स्मृतिशेष कविवर भोलानाथ शेखर को श्रद्धांजलि देकर साहित्यिक विरासत को किया नमन

वेलकम इंडिया/मोहम्मद असलम

लखीमपुर-खीरी। आस्था, संस्कृति और परंपराओं की जीवंत धरोहर लखीमपुर के ऐतिहासिक दशहरा मेले की छठी शाम साहित्य, संवेदना और शब्द-साधना के नाम रही। प्रदेश के विभिन्न जनपदों से पधारे नामचीन कवियों और स्थानीय रचनाकारों की शानदार जुगलबंदी ने ऐसा काव्य-संसार रचा कि पूरा मेला परिसर कविता, गीतों और गजलों की मधुर गूंज से सरावह हो उठा। हास्य, व्यंग्य, संवेदना और ओज से सजी काव्य प्रस्तुतियों ने मेलातिर्थियों में उत्साह का संचार किया, वहीं रचनाकारों की भावपूर्ण अभिव्यक्तियों ने श्रोताओं के हृदय पर अमिट छाप छोड़ी। नगर पालिका परिषद लखीमपुर द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय कवि सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा नेता शरद बाजपेयी, रश्मि बाजपेयी, नगर



पालिका परिषद की अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव तथा अधिशासी अधिकारी संजय कुमार ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के आरंभ में स्मृतिशेष कविवर श्रद्धेय भोलानाथ शेखर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए साहित्य और काव्य जगत में उनके योगदान का भावपूर्ण स्मरण किया गया। यह क्षण केवल एक कवि को श्रद्धांजलि देने का अवसर नहीं, बल्कि

उस साहित्यिक परंपरा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भावपूर्ण पल भी रहा, जो पीढ़ियों को संवेदनशील बनाने और समाज को नई दृष्टि देने का कार्य करती है। उद्घाटन सत्र का संचालन साहित्यकार राममोहन गुप्त 'अमर' ने किया। साहित्यिक प्रस्तुतियों से पूर्व, सामाजिक सरोकारों और जनसेवा की भावना को भी सम्मान दिया गया। नगर पालिका परिषद की ओर से समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नागरिकों को



पारंपरिक रूप से सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वालों में सूर्य प्रकाश मिश्रा, राम किशोर श्रीवास्तव, मनीष रस्तोगी, मीना पांडिया, रियाज हबीबी, मनमीत सिंह मिट्टा, रजत शेखर तथा रमन शेखर आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे। इन विभूतियों का सम्मान समाज के प्रति समर्पण, सकारात्मक योगदान और जनकल्याण की भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रहा। ऐसे आयोजन यह संदेश

देते हैं कि समाज की वास्तविक समृद्धि केवल उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उन प्रयासों में भी निहित है, जो दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। इसके पश्चात विशेष शर्मा एवं कुलदीप समर के संयोजन में प्रदेश स्तरीय कवि सम्मेलन की शानदार महफिल सजी। सम्मेलन की अध्यक्षता योगेश सिंह चौहान ने की, जबकि संचालन कृष्ण कुमार मौर्य ने अपनी प्रभावशाली शैली में किया। कवियों



की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने वातावरण को साहित्यिक ऊर्जा से भर दिया। कहीं शब्दों में जीवन के संघर्षों की तस्वीर उभरी, तो कहीं सामाजिक विसंगतियों पर तीखे व्यंग्य ने सोचने को विवश किया। गीतों की मधुरता, गजलों की भावप्रवणता और कविताओं की ओजस्वी अभिव्यक्ति ने श्रोताओं को 'बागी', अभिषेक शाश्वत, संदीप कटियार, संदीप मोहन, शशांक

प्रतिक्रियाओं के बीच काव्य महफिल देर रात तक अपने पूरे रंग में जमी रही। काव्य पाठ करने वाले रचनाकारों में कमलेश पाण्डेय 'कमल', आशीष आनंद, दिव्यांशी अवस्थी, कृति श्रीवास्तव, संजीव मिश्रा 'व्योम', अभिनव दीक्षित, डॉ. विजय शुक्ला 'बादल', मयंक मोहन दीक्षित, इंद्रपाल वर्मा, आलोक पंडित, विनीत दीक्षित 'बागी', अभिषेक शाश्वत, संदीप कटियार, संदीप मोहन, शशांक

पांडेय, हरि बहादुर 'हर्ष', श्याम किशोर 'बैचैन', जगदीश पांडेय, करुणेश दीक्षित, मोहन लखीमपुरी, लवकुश त्रिवेदी, प्रज्वल शुक्ला तथा देवी चरण मिश्रा सहित अन्य कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम के संयोजन मंडल में श्वेता शर्मा, निर्मला देवी, पिंगी देवी, पूजा सिंह तथा आनन्दमयी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर सुनील बाथम, राजकुमार त्रिवेदी, मेला अध्यक्ष रवींद्र रावत, मेलाधिकारी समरा सईद, सहयोगी नीलम रस्तोगी, शमीम बानो, इंजीनियर दुर्गाेश वर्मा तथा सुधाकर लाला सहित अनेक गणमान्य लोग विशिष्ट रूप से उपस्थित रहे। लखीमपुर का ऐतिहासिक दशहरा मेला अपनी सांस्कृतिक परंपराओं के साथ साहित्य और कला को मंच प्रदान करने की गौरवशाली परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

प्रतिबंधित खाद की तस्करी पर एसएसबी का शिकंजा

49वीं वाहिनी के जवानों ने सीमा के पास पकड़ी छह मोटरसाइकिलें

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 49वीं वाहिनी के जवानों ने पांच लोगों को पकड़ा है। आरोप है कि वे छह मोटरसाइकिलों के जरिए प्रतिबंधित खाद और स्पेयर पार्ट्स भारत से नेपाल ले जा रहे थे। कार्रवाई के दौरान छह मोटरसाइकिल, प्रतिबंधित खाद की 14 बोरियां और स्पेयर पार्ट्स का सामान बरामद किया गया।पकड़े गए पांचों व्यक्तियों और बरामद सामान को आगे की कार्रवाई के लिए पलिया कस्टम के सुपुर्द कर दिया गया।जानकारी के अनुसार, 28 अक्टूबर 2026 की रात करीब 8:30 बजे सीमा क्षेत्र में गश्त के



दौरान एसएसबी जवानों ने सीमा स्तंभ संख्या 778/6 के समीप संधिध गतिविधि देखी। इस दौरान मोटरसाइकिलों से सामान भारत से

नेपाल ले जाने का प्रयास किया जा रहा था। जवानों ने मौके पर कार्रवाई करते हुए पांच व्यक्तियों को पकड़ लिया और सामान को कब्जे में ले

लिया।पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान मंगल सिंह, दलेर सिंह, सत्येंद्र सिंह, दूसरे मंगल सिंह और चिंदर सिंह के रूप में बताई गई है। सभी ग्राम

शारदापुरी, पंचायत बमनपुर भागीरथी, थाना क्षेत्र पूरनपुर, जनपद पीलीभीत के निवासी बताए गए हैं। यह कार्रवाई 49वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के कमांडेंट शेर सिंह चौधरी के दिशा-निर्देश पर डी समवाय राघवपुरी के जवानों ने की। कार्रवाई करने वाली टीम में पार्टी कमांडर निरीक्षक रविंद्र कुमार सिंह, सहायक उपनिरीक्षक तर्पण सिंह, मुख्य आरक्षी सतीश कुमार सिंह, आरक्षी महेंद्र सिंह सहित अन्य जवान शामिल रहे।एसएसबी की इस कार्रवाई को सीमा क्षेत्र में प्रतिबंधित सामान की तस्करी रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पकड़े गए व्यक्तियों और बरामद सामान को पलिया कस्टम के हवाले कर दिया गया है, जहां नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने निकाली जागरूकता रैली, एक नवंबर को मेगा कैंप



कांधला (वेलकम इंडिया)। नगर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से लोगों को कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से लोगों को न्याय पाने और जरूरतमंदों के निशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी चैनपाल सिंह ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति आर्थिक तंगी के कारण न्याय से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि एक नवंबर को शामली के

गांव गोहरनी स्थित कलेक्ट्रेट में मेगा कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैंप में विभिन्न प्रकार के वाद-विवाद और कानूनी मामलों का निस्चारण कराने के लिए लोगों को सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।उन्होंने बताया कि जिन लोगों के पास अधिवक्ता की फीस देने के लिए पर्याप्त रुपये नहीं हैं, उन्हें नियमानुसार निशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया जाएगा।गरीब, दिव्यांग और जरूरतमंद लोग, जो अपने मामलों का समाधान चाहते हैं, मेगा कैंप में पहुंचकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

पत्नी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, पुलिस से कार्रवाई की मांग

कांधला। थाना क्षेत्र के कस्बा एलम निवासी एक व्यक्ति ने मोहल्ले के ही एक युवक पर उसकी पत्नी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देते हुए मामले में कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।पीड़ित व्यक्ति जयवीर सिंह के अनुसार, मोहल्ले का ही एक युवक उसकी पत्नी को अपने झांस में लेकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। घटना की जानकारी होने के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर मामले में कार्रवाई की गुहार लगाई है। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि मामले में तहरीर प्राप्त हुई है। पुलिस द्वारा प्रकरण की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर की टक्कर से घायल युवक ने उपचार के दौरान तोड़ा दम, चालक पर मुकदमा दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर। गजौला थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे में उसके साथ मोटरसाइकिल पर सवार एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ था। युवक की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। अंतिम संस्कार के बाद मृतक के भाई ने पुलिस से तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।गांव अजीतपुर पटपरा निवासी शिवकुमार के मुताबिक, 15 अक्टूबर की शाम उनका भाई जितेंद्र कुमार और नोखेलाल मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान खेमकरन के खेत के पास सड़क पर धान निकालने का काम चल रहा था। आरोप है कि तभी सामने से आए ट्रैक्टर ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में जितेंद्र कुमार और नोखेलाल गंभीर रूप से घायल

हो गए। घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जितेंद्र की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल पीलीभीत से बरेली के भोजीपुरा स्थित राममूर्ति अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां करीब एक सप्ताह तक उनका उपचार चला। परिजनों के अनुसार, आर्थिक तंगी के चलते उन्हें अस्पताल से वापस लाया जा रहा था। रास्ते में जितेंद्र की हालत फिर बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें जिला अस्पताल पीलीभीत ले जाया गया। यहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों ने गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया। इसके बाद मृतक के भाई शिवकुमार ने पुलिस को तहरीर देकर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।पुलिस ने तहरीर के आधार पर ट्रैक्टर चालक दुर्गा प्रसाद निवासी भुड़ा सरंदा के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

श्री हरिपाल शास्त्री स्मारक महाविद्यालय में करवा चौथ के उपलक्ष्य में भव्य मेहंदी प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

नूरपुर। स्थानीय श्री हरिपाल शास्त्री स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, फीना में करवा चौथ के पावन पर्व के अवसर पर छात्राओं के लिए एक भव्य मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी कलात्मक सोच व रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अक्षिता को प्रथम, शिफा को द्वितीय स्थान प्रतियोगिता में छात्राओं द्वारा हथेलियों पर उकेरी गई आकर्षक और पारंपरिक मेहंदी डिजाइनों ने सभी का मन मोह लिया। निर्णायकों द्वारा कला, बारीकी और फिनिशिंग के गहन मूल्यांकन के पश्चात परिणामों की घोषणा की गई, जो इस प्रकार रहे: प्रथम स्थान: अक्षिता राजपूत (एम.एस-सी. तृतीय



सेमेस्टर), द्वितीय स्थान पर शिफा (बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर), तृतीय स्थान पर संयुक्त समरीन एवं मंतसा (बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर) रही। प्रतियोगिता में मुख्य निर्णायक मंडल में ईंडियन पब्लिक स्कूल, फीना की प्रधानाचार्या आदेश कुमारी तथा पूर्व जिला पंचायत सदस्य रश्मि राजपूत उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्या आदेश कुमारी ने कहा र आयुर्वेद में मेहंदी को एक गुणकारी और पारंपरिक औषधि

माना गया है। वह न केवल शरीर को शीतलता व तनाव से मुक्ति प्रदान करती है, बल्कि हमारे समाज में आपसी सौहार्द, प्रेम और उत्सव के आनंद को भी बढ़ाती है। रवहों, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रश्मि राजपूत ने भी मेहंदी के सांस्कृतिक, व्यावहारिक और सुहाग पर्व से जुड़े महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं का मार्गदर्शन किया। विजेता छात्राएं पुरस्कार पाकर खुश हुईं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार शर्मा एवं निर्णायक

सड़िया नहर पुल के पास ट्रैक्टर-बाइक की भिड़ंत में दो युवकों की मौत

एक ही गांव के दो लोगों की मौत से पसरा मातम

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। तेज रफ्तार ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। सड़िया नहर पुल के पास हुए हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। एक ही गांव के दो युवकों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक छा गया।न्यूरिया थाना क्षेत्र में बुधवार रात सेजनिया गांव निवासी भानू प्रताप (28) पुत्र नंदलाल अपने साथी तंशुक (35) पुत्र ईश्वरी प्रसाद के साथ बाइक से गांव जा रहे थे। बुधवार रात करीब नौ बजे सड़िया नहर पुल के पास

न्यूरिया की ओर से आ रहे ट्रैक्टर से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में बाइक चला रहे भानू प्रताप की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तंशुक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया। वहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई।हादसे की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दिगंबर सिंह और उपनिरीक्षक जगदीश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर और बाइक को भी कब्जे में ले लिया गया है। एक ही गांव के दो युवकों की असमय मौत से दोनों परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

धान बेचने को भटक रहे किसान, बासुपुर केंद्र पर खरीद सुस्त

बारदाना होने के बाद भी नहीं आ रही तेजी, प्रभारी की गैरमौजूदगी से बढ़ी परेशानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के ग्राम बासुपुर में संचालित धान क्रय केंद्र पर खरीद की धीमी गति से किसानों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। धान बेचने के लिए केंद्र पर पहुंच रहे किसानों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। किसानों का आरोप है कि केंद्र प्रभारी कई-कई घंटे तक केंद्र से गायब रहते हैं, जिससे खरीद प्रक्रिया प्रभावित होती है। वहीं, केंद्र पर पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधा भी उपलब्ध नहीं है।क्षेत्र में धान की कटाई का काम काफी हद तक पूरा हो चुका है। ऐसे में किसान अपनी उपज सरकारी क्रय केंद्रों पर बेचने के लिए पहुंच रहे हैं, ताकि उन्हें निर्धारित समर्थन मूल्य का लाभ मिल सके। ग्रामीण क्षेत्रों में 15 अक्टूबर से धान खरीद की व्यवस्था शुरू होने के बावजूद बासुपुर केंद्र पर खरीद की रफ्तार अपेक्षा के



अनुरूप नहीं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। किसानों का कहना है कि वे ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य साधनों से धान लेकर केंद्र पर पहुंचते हैं, लेकिन खरीद में देरी के कारण उन्हें लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। केंद्र प्रभारी की नियमित अनुपस्थिति से भी किसानों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इससे समय और संसाधनों की बर्बादी हो रही है।केंद्र पर बारदाना उपलब्ध होने के बावजूद खरीद की गति धीमी रहने को लेकर भी किसानों ने सवाल उठाए हैं। किसानों का कहना है कि यदि जरूरी सामग्री उपलब्ध है तो खरीद प्रक्रिया को तेज किया जाना चाहिए, जिससे किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। इसके अलावा केंद्र पर पेयजल की व्यवस्था नहीं होने से इंतजार कर रहे किसानों को परेशानी होती है। किसानों ने संबंधित अधिकारियों से बासुपुर

खानका कब्रिस्तान में पहुंचा हाथी, कस्बे में अफरा-तफरी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। पूरनपुर कस्बे में बुधवार की रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक प्रवासी हाथी आबादी वाले इलाके में पहुंच गया। हाथी के खानका कब्रिस्तान और कोतवाली रोड के आसपास दिखाई देने से लोगों में दहशत फैल गई। अचानक हाथी के सामने आने पर लोग अपनी सुरक्षा के लिए इधर-उधर भागने लगे। घटना की जानकारी मिलने के बाद पूरनपुर सामाजिक वानिकी की टीम मौके पर पहुंच गई और हाथी को सुरक्षित तरीके से आबादी से बाहर निकालने के प्रयास शुरू किए गए।जानकारी के अनुसार, बुधवार को जंगल की ओर से भटककर आया हाथी पूरनपुर कस्बे के खानका कब्रिस्तान में पहुंच गया। इसके बाद हाथी को कोतवाली रोड के आसपास भी देखा गया।रिहायशी इलाके में हाथी की मौजूदगी की खबर तेजी से फैल गई। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुटने लगी। हाथी को अपने



सामने देखकर लोग सतर्क हो गए और सुरक्षित स्थानों की ओर जाने लगे।हाथी की आवाजाही के चलते इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर चिंता रही कि कहीं हाथी किसी घर, दुकान या हागीर की ओर न बढ़ जाए। लोगों ने आसपास के लोगों को सतर्क रहने की जानकारी दी। इस दौरान हाथी की गतिविधियों पर नजर रखी जाने लगी, ताकि उसे किसी तरह की परेशानी पहुंचाए बिना आबादी से बाहर निकाला जा सके।सूचना मिलने पर पूरनपुर सामाजिक वानिकी विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने हाथी की

लोकेशन पर नजर रखते हुए उसे सुरक्षित दिशा में ले जाने के प्रयास शुरू किए। वन विभाग की टीम के सामने चुनौती हाथी को बिना नुकसान पहुंचाए घनी आबादी वाले क्षेत्र से बाहर निकालने की है। ऐसे में स्थानीय लोगों से भी सावधानी बरतने की जरूरत है।प्रवासी हाथी के कस्बे में पहुंचने की घटना ने एक बार फिर मानव और वन्यजीवों के बीच बढ़ते संपर्क को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हाथी जैसे बड़े वन्यजीव के आबादी में आने पर लोगों की सुरक्षा के साथ-साथ उसकी सुरक्षित आवाजाही भी महत्वपूर्ण हो जाती है। फिलहाल लोगों की निगाहें वन विभाग की कार्रवाई पर टिकी हैं।

आवारा कुत्तों और बंदरों का आतंक, एक दिन में 13 लोग पहुंचे अस्पताल

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। नगर और क्षेत्र में आवारा कुत्तों और बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। आए दिन महिला, पुरुष और बच्चे इनके हमलों में घायल हो रहे हैं। गुरुवार सुबह भी आधा दर्जन से अधिक लोग एंटी रेबीज वैक्सिन लगवाने के लिए अस्पताल पहुंचे। घायलों ने बताया कि उन पर आवारा कुत्तों और बंदरों ने हमला कर दिया था।



चिकित्सक गौरव चौहान ने बताया कि अस्पताल पहुंचे सभी लोगों को एंटी रेबीज वैक्सिन लगाई गई। साथ ही उन्हें आवारा जानवरों से दूर रहने की सलाह दी गई। लगातार सामने आ रहे हमलों से क्षेत्र के लोगों में चिंता बनी हुई है। लोगों ने आवारा कुत्तों और बंदरों के आतंक से निजात दिलाने के लिए संबंधित अधिकारियों से कार्रवाई

की मांग की है।वैक्सिन लगवाने वालों में छवि चढ़ाव, आदि मतनावली, उमर कांधला, महमूदन कांधला, रविंद्र घसोली, दिपांशु कांधला, शुभम नाला, हिमांशु मीमला, केशव सुन्ना, जयप्रकाश सुन्ना, फरीद कांधला, रुपेश जिडाना, प्रीति एलम और भारत सिंह किशोरपुर के नाम शामिल हैं।

त्योहारों से पहले वार्ड 11 में विशेष सफाई अभियान



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। आगामी त्योहारों को देखते हुए नगर पालिका परिषद की ओर से वार्ड संख्या 11 में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। करवा चौथ से शुरू हुआ यह अभियान दीपावली और भैया दूज तक बीच-बीच में जारी रहेगा। इसका उद्देश्य वार्ड में सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर लोगों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना है।वार्ड

सभासद प्रदीप कुमार के निर्देश पर करीब एक दर्जन सफाई कर्मचारियों ने वार्ड के विभिन्न स्थानों पर सफा-सफाई की। अभियान के दौरान गंदगी दूर करने और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया।सभासद प्रदीप कुमार ने बताया कि त्योहारों के दौरान सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अभियान के तहत नियमित अंतराल पर सफाई कराई जाएगी,

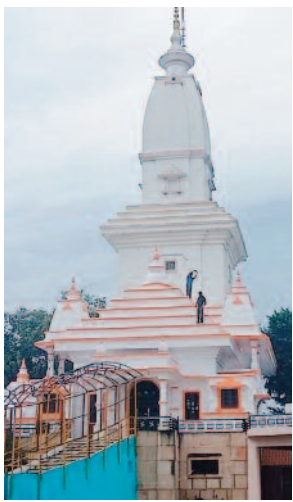
ताकि स्थानीय लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस मौके पर सफाई निरीक्षक शेशल मलिक, सफाई लिपिक अमरेश कुमार और सफाई नायक राशิด बैग मौजूद रहे। अधिकारियों और कर्मचारियों की निगरानी में सफाई अभियान चलाया गया। नगर पालिका की ओर से त्योहारों के मद्देनजर स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

30 साल बाद होगा 21 कुंडीय महाराज्ञ और भागवत कथा का हुआ आयोजन

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे और आसपास के क्षेत्र में 30 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद विशाल धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार, मंशा देवी मंदिर में स्थापना के समय करीब 30 वर्ष पहले ऐसा भव्य कार्यक्रम हुआ था। इस बार 21 कुंडीय भागवत कथा एवं हवन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 42 विद्वान ब्राह्मण वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां देंगे। पंचवटी स्थल पर अखंड ज्योति भी प्रज्वलित रहेगी।

कार्यक्रम का शुभारंभ बड़े बाजार स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर से भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। यात्रा जैन स्थानक से होते हुए सुबह करीब 11 बजे कथा स्थल पहुंचेगी। वृंदावन से पधार रहे दंडी स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज लेकर खरीद व्यवस्था में सुधार के लिए क्या कदम उठाता है।



सुनाएंगे। धार्मिक आयोजन 30 तारीख से पांच तारीख तक चलेगा। अंतिम दिन भंडारे में दो हजार से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। समिति ने धर्मप्रेमियों से शामिल होकर पुण्य लाभ कमाने की अपील की है।



कारगिल इंडिया ने ग्लोबल सेफ्टी वीक के तहत आयोजित की सेफ्टी ट्रेनिंग वर्कशॉप

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कर्मचारियों की सुरक्षा और कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कारगिल इंडिया की ओर से ग्लोबल सेफ्टी वीक 2026 के अंतर्गत विशेष सेफ्टी ट्रेनिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। 26 से 30 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान की थीम kProtecting What Matters, Together" यानी महत्वपूर्ण चीजों की सुरक्षा, मिलकर हमारी जिम्मेदारी है, रखी गई है। दुर्गई, गाजियाबाद स्थित डिजिलिंग लैंड में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्षेत्र के लगभग 30 फील्ड सेल्स कर्मचारियों ने हिस्सा लिया और सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीयां प्राप्त कीं।

कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों को संभावित जोखिमों की पहचान करने, सुरक्षा नियमों का पालन करने और कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों की



जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त लक्ष्मी एंटरप्राइजेज, गाजियाबाद तथा हरीश चंद प्रवीण कुमार के व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर कार्यरत कर्मचारियों को भी कार्यस्थल पर सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला में कारगिल इंडिया के साउथ एशिया डायरेक्टर शैलेश खुराना और सेल्स डायरेक्टर कुंदन मिश्रा ने कर्मचारियों को सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं से

अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा केवल नियमों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे दैनिक कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है।

संभावित खतरों को समय रहते पहचानना और सावधानीपूर्वक कार्य करना दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रशिक्षक अमन खुराना ने रोचक एवं

व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को सुरक्षित कार्यप्रणाली की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने और जिम्मेदारी के साथ अपने कार्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर रिजल्ट सेल्स मैनेजर मनीष पाठक, एरिया मैनेजर अंचल गोयल, अर्पित सहित अन्य सेल्स कर्मचारी उपस्थित रहे।

लक्ष्मी एंटरप्राइजेज की ओर से अजय शर्मा और शुभम वशिष्ठ तथा आईएसएन, मेरठ से वरुण जैन ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

लक्ष्मी एंटरप्राइजेज के अजय शर्मा ने कारगिल इंडिया की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा, जागरूकता और सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना प्रत्येक जिम्मेदार व्यापारिक प्रतिष्ठान की प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम दुर्घटनाओं की रोकथाम के साथ कर्मचारियों में आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना भी बढ़ाते हैं।

उन्होंने कहा कि सुरक्षित कार्यस्थल न केवल कर्मचारियों के हित में है, बल्कि किसी भी संस्थान की कार्यक्षमता और बेहतर कार्य संस्कृति के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। कारगिल इंडिया की यह पहल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और कर्मचारियों को सुरक्षित कार्यप्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित करने की दिशा में सराहनीय कदम है।

गांव अतरौली में शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोदीनगर तहसील के अंतर्गत आने वाले भोजपुर ब्लॉक के अतरौली गांव में तहसील अध्यक्ष देवेन्द्र सैन के नेतृत्व में एक भव्य शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में फरीदनगर, मोदीनगर क्षेत्र के ऊजावांन युवा साथियों और अतरौली गांव के सम्मानित ग्रामीण कार्यकर्ताओं ने भारी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के प्रदेश महामंत्री गौरव राघव रहे। जिनके ओजस्वी विचार ने सभी में जोश भर दिया।

गौरव राघव उपस्थित सभी लोगों को पहले मै हिंदूहु का संकल्प दिलाकर एक जुट होने का आवाहन किया। गौरव राघव ने कहा कि शस्त्र पूजन हमारी प्राचीन परम्परा है। हमारे पूर्वज पौराणिक काल से इसका निर्वहन करते आ रहे हैं। संपूर्ण विश्व की रक्षा और सनातन संस्कृति की



रक्षा का भाव शस्त्र पूजन है। हमारे देवी देवताओं के हाथ में शस्त्र है जो हमें धर्म रक्षा और आत्म रक्षा का मंत्र प्रदान करती है।

इस पावन अवसर पर राष्ट्रीय बजरंग दल के उपाध्यक्ष हर्ष पांडे एवं ओजस्विनी अध्यक्षा ज्योति बहन जी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। धर्म और संस्कृति की रक्षा के

इस पवित्र अभियान में वेदप्रकाश शर्मा, सुभाष सैन, मोहित सैन, कमल सिंह, गौरव शुक्ला, कमल सैनी, सचिन सैनी, सुरेंद्र कश्यप, इंद्र राजा शर्मा, कृष्ण दत्त शर्मा, उमेश कश्यप, विवेक चौहान, रामकुमार शर्मा, प्रदीप शर्मा, संचित राघव, कान्हा सैन, वेदांत सैन, माधव, देव, आदि उपस्थित रहे।

आईटीएस डेंटल कॉलेज में जन्मदिन की खुशियों के बीच छात्रों से रूबरू हुए वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज में हॉस्टल में रहने वाले बीडीएस और एमडीएस पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में केक काटिंग, शुभकामनाओं के आदान-प्रदान और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने खुशियां साझा कीं। कॉलेज परिसर में उत्सवपूर्ण माहौल रहा। इस दौरान संस्थान के फैकल्टी सदस्यों ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का उद्देश्य हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों को परिवार जैसा माहौल देना



और उनके विशेष दिन को यादगार बनाना रहा। संस्थान की ओर से नियमित रूप से हर महीने उन छात्र-छात्राओं का जन्मदिन मनाया जाता है, जिनका जन्मदिन उस माह में होता है। इस पहल से विद्यार्थियों को एक साथ मिलने, खुशियां साझा करने और संस्थान से जुड़ाव महसूस करने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम के दौरान वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने

विद्यार्थियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित मुद्दों के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। छात्रों के साथ सीधे संवाद की इस पहल से विद्यार्थियों में संतोष और विश्वास का माहौल देखने को मिला। संस्थान की ओर से विद्यार्थियों की जरूरतों को समझने और उनकी समस्याओं का समयबद्ध

समाधान करने पर जोर दिया गया। अर्पित चड्ढा ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने के साथ संस्थान और छात्रों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का शैक्षणिक विकास जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही जरूरी उनके लिए सकारात्मक और सहयोगपूर्ण वातावरण तैयार करना भी है। संस्थान छात्रों के समग्र विकास और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने आयोजन के लिए अर्पित चड्ढा और संस्थान प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। इस पहल ने कॉलेज में आपसी अपनत्व, सहयोग और पारिवारिक जुड़ाव की भावना को मजबूत किया।

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मुल्तानीमल मोदी कॉलेज में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की एन.सी.सी., राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रोवर-रेंजर्स इकाइयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर वंदना शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना



कार्यक्रम अधिकारी डॉ वीरेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सतर्कता एवं जागरूकता एक सशक्त और भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण की आधारशिला हैं। प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी एवं निष्ठा

के साथ करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से नैतिक मूल्यों को अपनाने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. वीरेंद्र कुमार एवं डॉ. पूजा त्यागी सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षकगण

उपस्थित रहे। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए ईमानदारी, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व पर प्रकाश डाला। एन.सी.सी., एन.एस.एस. एवं रोवर-रेंजर्स के स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करते हुए भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण का संदेश दिया तथा समाज में सतर्कता एवं जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं ईमानदारी के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का समापन 'सतर्क नागरिक, सशक्त राष्ट्र एवं भ्रष्टाचार मुक्त भारत' के संदेश के साथ हुआ।

राज्य कर विभाग द्वारा ब्याज माफी योजना 2026 पर सेमिनार का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राज्य कर कार्यालय, मोदीनगर पर ब्याज माफी योजना 2026 के सम्बन्ध में सेमिनार का आयोजन किया गया। उपायुक्त राज्य कर, मोदीनगर अनिल कुमार तथा सहायक आयुक्त, राज्य कर आशीष मिश्रा ने सेमिनार के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि सेमिनार में ब्याज माफी योजना 2026 के प्रमुख प्रावधानों, पात्रता संबंधी शर्तों, आवेदन प्रक्रिया तथा योजना के अन्तर्गत मिलने वाले लाभों के सम्बंध में विस्तार से जानकारी दी गई। सेमिनार का उद्देश्य करदाताओं एवं कर व्यवसाय से जुड़े पेशेवरों को योजना के नियमों और प्रक्रियाओं से अवगत कराना था। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान अधिवक्तागणों एवं कर पेशेवरों की भूमिका पर विशेष चर्चा की गई, ताकि वे अपने पात्र करदाताओं को रेखांकित किया। सेमिनार के माध्यम से राज्य कर विभाग एवं कर व्यवसाय से जुड़े पेशेवरों के बीच बेहतर समन्वय



के समाधान तथा इसके व्यावहारिक पहलुओं पर भी विचार विमर्श किया गया। योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा पात्र करदाताओं तक इस योजना की जानकारी पहुंचाने पर जोर दिया गया।

अधिवक्ताओं ने योजना से सम्बंधित महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए और करदाताओं को नियमानुसार योजना का लाभ प्राप्त करने में मार्गदर्शन देने के महत्व को रेखांकित किया। सेमिनार के माध्यम से राज्य कर विभाग एवं कर व्यवसाय से जुड़े पेशेवरों के बीच बेहतर समन्वय

स्थापित करने तथा करदाताओं को जागरूक करने की दिशा में सार्थक चर्चा हुई। सेमिनार में मुख्य रूप से राज्य कर अधिकारी संदीप सत्यार्थी, राज्य कर अधिकारी अजय दत्त, एडवोकेट सुनील माहेश्वरी, एडवोकेट अरूण राघव, एड० धीरज गोयल, एड० विपिन सिंहल, एड० आरिफ बेग, एड० सचिन माहेश्वरी, सीए हेमन्त तिवारी, एड० दीपक नेहरा, एड० हिमांशु जायसवाल, एड० विनोद अग्रवाल, सीएमए मनीष गर्ग, राहुल साहनी सहित दर्जनों अधिवक्ता उपस्थित रहे।

बाड़े वाले शिव मंदिर में भगवान परशुराम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा 258 के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित बी डी शर्मा के नेतृत्व में बेष्मामाबाद बाद रोड स्थित में बाड़ा शिव मंदिर परिसर में भगवान परशुराम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भूमि पूजन कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री पं. शिव मोहन भारद्वाज, गाजियाबाद के जिला अध्यक्ष पंडित बुद्ध प्रकाश शर्मा, रजापुर ब्लॉक अध्यक्ष गणेश दत्त शर्मा, मोदीनगर के अध्यक्ष पं.

हरेंद्र शर्मा पं. देवी शरण शर्मा, मंदिर समिति के अध्यक्ष देवीदास मित्तल, राकेश कंसाल, पत्रकारिता जगत में काम करने वाले अनिल वशिष्ठ पं. राकेश शर्मा, संजय तिवारी के अलावा चंद्रशेखर शर्मा विनोद शर्मा सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग भूमि पूजन में शामिल रहे। मंदिर के आचार्य पं. मोहित वशिष्ठ ने विधि विधान से भूमि पूजन सम्यन्त करवाया। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज ने बताया भगवान परशुराम जन्मोत्सव अक्षय तृतीया पर मंदिर में भगवान परशुराम जी की विधि विधानानुसार भव्य मूर्ति स्थापित की जाएगी।

मोदी कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल को किया गया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मेरठ में भारतीय मानक ब्यूरो गाजियाबाद द्वारा आयोजित एक-भव्य समारोह में भारतीय मानक ब्यूरो गाजियाबाद द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों द्वारा समाज को जागरूक करने में सक्रिय योगदान के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल और विद्यालय के नोडल मैटर राजीव वर्मा को सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार डॉ सोमेंद्र तोमर राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार सैनिक पुनर्वास एवं उत्तर प्रदेश प्रांतीय रक्षक दल उत्तर प्रदेश सरकार और भारतीय मानक ब्यूरो के अधिकारियों के द्वारा प्रमाण पत्र व भारतीय मानक ब्यूरो



का प्रमाणिक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सक्रिय भूमिका वाले 90 छात्रों को भी मेडल और प्रमाण पत्र दिए गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि हमारे हमारे विद्यालय भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आयोजित प्रत्येक गतिविधि में चाहे वह क्विज

प्रतियोगिता हो चाहे निबंध प्रतियोगिता हो चाहे भाषण पोस्टर प्रतियोगिता हो में अपनी सक्रिय गतिविधि द्वारा समाज को जागरूक करने में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। समारोह में सभी को हॉलमार्क आईएस आई मार्क आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए गाजियाबाद नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित छठ घाटों की मरम्मत, रंगाई-पुताई और सौंदर्यीकरण के लिए करीब 1.29 करोड़ रुपये के कार्य प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें हिंडन नदी स्थित छठ घाट को विशेष रूप से विकसित करने के साथ सीढ़ियों का निर्माण, बैरिकेडिंग और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। नगर निगम ने विभिन्न क्रायों के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों



के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 तक निविदाएं खुलने के बाद आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर काम शुरू कराया जाएगा। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में निगम के निर्माण, स्वास्थ्य और प्रकाश विभाग को तैयारियों में लगाया गया है। उद्देश्य है



कि श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान साफ-सुथरे घाट, पर्याप्त रोशनी, स्वच्छ पानी और बेहतर व्यवस्थाएं मिल सकें। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी छठ पूजा की तैयारियां समय से पूरी कराई जाएंगी। घाटों की मरम्मत और रंगाई-पुताई के लिए निविदा प्रक्रिया

शुरू कर दी गई है। जल्द ही अधिकारियों के साथ बैठक कर सभी सीमा के अंतर्गत आने वाले प्रमुख मार्गों को भी व्यवस्थित, स्वच्छ और सुंदर बनाने का काम जारी है। छठ पूजा से पहले सभी जरूरी व्यवस्थाओं को पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण में पर्व मना सकें। हिंडन नदी स्थित छठ घाट पर इस बार विशेष कार्य कराए जाने की योजना है। मोहन नगर जोन में घाट पर तीन सीढ़ियां की निर्माण और एसएम ग्रीन लगाने के लिए करीब 16.79 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा घाट के शेष हिस्से में निर्माण कार्य पर करीब 22.21 लाख रुपये खर्च किए जाने हैं।

तथा प्रकाश विभाग रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि निगम सीमा के अंतर्गत आने वाले प्रमुख मार्गों को भी व्यवस्थित, स्वच्छ और सुंदर बनाने का काम जारी है। छठ पूजा से पहले सभी जरूरी व्यवस्थाओं को पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण में पर्व मना सकें। हिंडन नदी स्थित छठ घाट पर इस बार विशेष कार्य कराए जाने की योजना है। मोहन नगर जोन में घाट पर तीन सीढ़ियां की निर्माण और एसएम ग्रीन लगाने के लिए करीब 16.79 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा घाट के शेष हिस्से में निर्माण कार्य पर करीब 22.21 लाख रुपये खर्च किए जाने हैं।

16 देशों के शोधकर्ताओं का एकेजीईसी में जमावड़ा, सीएसआईओ के साथ अनुसंधान साझेदारी

नेक्स्ट जनरेशन सूचना प्रणाली अभियांत्रिकी पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एनजीआईएसई-2026 का आगाज

● कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग और स्मार्ट सिटी जैसी उभरती तकनीकों पर मंथन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उभरती तकनीकों, वैश्विक शोध और औद्योगिक नवाचार को साझा मंच देने के उद्देश्य से अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज (एकेजीईसी) में बुधवार को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'नेक्स्ट जनरेशन इन्फार्मेशन सिस्टम्स इंजीनियरिंग' (एनजीआईएसई-2026) का आयोजन किया जा रहा है। 28 और 29 अक्टूबर को आयोजित इस सिंगर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 16 देशों के शोधकर्ता, वैज्ञानिक, शिक्षाविद और उद्योग विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उन्नत कंप्यूटिंग



और भविष्य की सूचना प्रणालियों से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। आयोजन के दौरान एकेजीईसी और सीएसआईआर-केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआईओ) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन 28 अक्टूबर को पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में एकेजीईसी

के निदेशक डॉ. हेमंत आहूजा ने स्वागत संबोधन दिया, जबकि जनरल चेयर डॉ. राहुल शर्मा ने सम्मेलन की विषयवस्तु और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। सम्मेलन के जनरल चेयर प्रो. डॉ. डिकें ड्राहाइम ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि सीएसआईआर-सीएसआईओ के निदेशक प्रो. शंतनु भट्टाचार्य रहे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में एटीएंडटी, अमेरिका में डेटाबेस अनुसंधान प्रमुख, वीएलडीबी एंडोमेंट के उपाध्यक्ष और एसीएम फेलो डॉ. दिवेश श्रीवास्तव शामिल हुए। इस दौरान सम्मेलन स्मारिका का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन के दौरान एकेजीईसी और सीएसआईआर-सीएसआईओ के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

गए। इसका उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच सहयोग मजबूत करना और अनुसंधान तथा नवाचार के क्षेत्र में साझेदारी को प्रोत्साहित करना है। आयोजन में सीएसआईआर-सीएसआईओ के वैज्ञानिक-जी एवं क्लस्टर प्रमुख डॉ. नरेंद्र सिंह जस्सल सहित देश-विदेश के विशेषज्ञों ने भाग लिया। एस्टोनिया के टालिन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी की रीना पालू, अमेरिका की यूनिक्सिस में ईसीएस इनोवेशंस के उपाध्यक्ष साल्वातोर सिनो तथा टालिन यूनिवर्सिटी के डॉ. मार्कस बर्टल और डॉ. सिल्विया लिप्स ने भी अपने अनुभव और अकादमिक दृष्टिकोण साझा किए। एनजीआईएसई-2026 के तकनीकी कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणाली अभियांत्रिकी, बड़े भाषा मॉडल, ग्राफ न्यूट्रल नेटवर्क और बहु-एजेंट प्रणालियों जैसे विषय शामिल हैं। इसके अलावा क्वांटम डेटा प्रबंधन, उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग,

क्लाउड तकनीक, डिजिटल ट्विन, मेटावर्स, आभासी एवं संवर्धित वास्तविकता, ब्लॉकचेन और वेब-3 पर भी चर्चा की जा रही है। विश्वसनीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ई-गवर्नेंस, स्मार्ट सिटी के लिए निर्णय-सहायता और टिकाऊ सूचना प्रणालियां भी सम्मेलन के प्रमुख विषय हैं। सम्मेलन की अध्यक्षता एस्टोनिया के टालिन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के डॉ. डिकें ड्राहाइम और जर्मनी के काल्स्रूहे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के डॉ. राहुल शर्मा कर रहे हैं। आयोजकों के अनुसार, सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षा जगत और उद्योग के बीच ज्ञान-विनिमय को बढ़ावा देना, बहुविषयक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना और शोध को व्यावहारिक उपयोग से जोड़ना है। इससे विद्यार्थियों और युवा शोधकर्ताओं को अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ संवाद करने का अवसर भी मिल रहा है।

उद्यमियों की समस्याओं पर प्रशासन सख्त, 15 दिन में समाधान के निर्देश



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ के निर्देशन में गुरवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु बैठक आयोजित हुई। नगर मजिस्ट्रेट सतीश चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याओं और लॉबि प्रकरणों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में इंद्रप्रस्थ योजना के पॉकेट-बी में मिट्टी भराव और भूमि समतलीकरण का कार्य दिसंबर 2026 तक पूरा करने की जानकारी दी गई। औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क और नाला निर्माण, यातायात जाम, अतिक्रमण तथा अवैध पार्किंग की



समस्याओं पर संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। विद्युत संबंधी मामलों में भी आवश्यक कदम उठाने को कहा गया। नगर मजिस्ट्रेट ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग 15 दिन के भीतर आवश्यक कार्रवाई पूरी कर आगामी बैठक से पहले अनुपालन आख्या प्रस्तुत करें। बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग आशुतोष सिंह ने किया। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी और औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

22 साल की उम्र में UPSC पास कर IPS बनीं प्रीति यादव, अब नोएडा जोन-1 की DCP की जिम्मेदारी

चंडीगढ़ पुलिस में हेड कांस्टेबल हैं पिता, बेटी की सफलता बनी युवाओं और बेटियों के लिए प्रेरणा

वेलकम इंडिया संवाददाता

नोएडा। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर भारतीय पुलिस सेवा में जगह बनाने वाली प्रीति यादव की सफलता की कहानी युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। महज 22 साल की उम्र में UPSC परीक्षा पास कर IPS अधिकारी बनने का सपना पूरा करने वाली प्रीति यादव को अब नोएडा जोन-1 की पुलिस उपायुक्त की जिम्मेदारी मिलने की चर्चा है। प्रीति यादव के पिता चंडीगढ़ पुलिस में हेड कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं। पुलिस विभाग से जुड़े परिवार में पली-बड़ी प्रीति ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के दम पर सिविल सेवा में जाने का लक्ष्य हासिल किया।



उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि सीमित संसाधनों या साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद मजबूत

इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। प्रीति यादव की यात्रा विशेष रूप से उन बेटियों के लिए प्रेरणा है, जिन्हें आज भी कई जगहों पर आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर नहीं मिलते। उनकी सफलता इस बात को रेखांकित करती है कि बेटियों को शिक्षा, प्रोत्साहन और समान अवसर दिए जाएं तो वे हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकती हैं। उनकी कहानी माता-पिता को भी यह संदेश देती है कि बच्चों के सपनों को समर्थन देना उनके भविष्य को नई दिशा दे सकता है। मेहनत, आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ने वाली बेटियां न केवल अपने परिवार, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा बनती हैं।

वेवसिटी में सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते पांच आरोपी गिरफ्तार, 1.62 लाख रुपये बरामद



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। वेवसिटी थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1,62,615 रुपये नकद और ताश की एक गड्ढी बरामद की है। आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 28 अक्टूबर 2026 को मैनुअल इनपुट के आधार पर चेकिंग के दौरान किसान आदर्श पब्लिक

स्कूल के पास बहैटा स्थित सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान प्रदीप शर्मा, जावेद अली, राजेश कंसल, ब्रजेश यादव और विवेक कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके कब्जे से नकदी और ताश की गड्ढी बरामद की। इस मामले में थाना वेवसिटी पर उत्तर प्रदेश सार्वजनिक जुआ अधिनियम, 1867 की धारा 13 के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गाजियाबाद में 317 युवाओं ने ली लोकतांत्रिक शपथ, विकसित भारत@2047 का लिया संकल्प

पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने युवाओं से मतदान और लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी की अपील की



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत, गाजियाबाद की ओर से गुरवार को एचआरआईटी विश्वविद्यालय में विकसित भारत युवा संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 317 युवा नागरिकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लेकर

लोकतांत्रिक शपथ ली। मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने युवाओं से लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी निभाने और विकसित भारत@2047 के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में स्पोर्ट्स आइकन कार्तिक शर्मा और यूथ आइकन रौनक चौधरी भी मौजूद रहे। इस दौरान अनिल अग्रवाल ने एसआईआर और मतदाता सूची से

जुड़ी युवाओं की शंकाओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि मतदान लोकतांत्रिक अधिकार होने के साथ महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। युवाओं को अपने मताधिकार का प्रयोग कर देश के भविष्य के निर्माण में भूमिका निभानी चाहिए। संवाद सत्र में विद्यार्थियों ने शासन व्यवस्था, नागरिक जिम्मेदारियों, पहली बार मतदान करने वाले युवाओं की भूमिका और

लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जुड़े सवाल पूछे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने लोकतांत्रिक मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता के प्रति प्रतिबद्धता जताई। एचआरआईटी विश्वविद्यालय के कुलपति बीके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। यह अभियान 26 अक्टूबर से 5 नवंबर तक देशभर के 500 शिक्षण संस्थानों में आयोजित किया जा रहा है।

अपराध की गुथियां सुलझाने में छात्रों ने दिखाया दम, एसडीजीआई में सजा फॉरेंसिक विज्ञान का मंच



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अपराध की गुथियां सुलझाने, साक्ष्यों का विश्लेषण करने और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जांच की बारीकियां समझने के उद्देश्य से एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ साइंसेज की ओर से बुधवार को 'एविडेंसिया फॉरेंसिक फेस्ट 2026' का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के सेमिनर हॉल में आयोजित अंतर-महाविद्यालय एवं अंतर-विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शारदा यूनिवर्सिटी, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी और नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों की सहभागिता विशेष रही। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. दीपेश कुमार सक्सेना, आईक्यूएसी निदेशक डॉ. अभिन भूपीन और स्कूल ऑफ साइंसेज की निदेशक डॉ. ज्योति चौधरी उपस्थित रहीं। अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए फॉरेंसिक विज्ञान में व्यावहारिक ज्ञान, तार्किक चिंतन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अनुसंधान कौशल के महत्व पर प्रकाश डाला। फेस्ट के तहत मिस्ट्री रूम वॉलेंज, क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन, फॉरेंसिक ब्रेन बैटल, एविडेंस ऑन केनवास और फॉरेंसिक पिच सहित

पांच प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनके माध्यम से विद्यार्थियों की अवलोकन क्षमता, विश्लेषणात्मक सोच, रचनात्मकता और समस्या समाधान की दक्षता को परखा गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में साक्ष्यों के विश्लेषण और अपराध जांच से जुड़े व्यावहारिक कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के कुल्लुआकन के लिए विश्वविद्यालय से बाहर के तीन फॉरेंसिक विशेषज्ञ निर्णायक मंडल में शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रदर्शन का आकलन किया और उन्हें इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया, जबकि सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने आयोजन को अनुभव-आधारित शिक्षा और विद्यार्थियों के कौशल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। स्कूल ऑफ साइंसेज ने सभी प्रतिभागियों, समन्वयकों और मीडिया सेल का आभार व्यक्त किया। आयोजन की सफलता में विश्वविद्यालय के चेयरमैन एवं चांसलर महेंद्र अग्रवाल, वाइस चेयरमैन अखिल अग्रवाल, प्रो-चांसलर नितिन अग्रवाल, प्रो-चांसलर (अकादमिक) विमल कुमार शर्मा, प्रो-चांसलर (प्रशासन) पीयूष श्रीवास्तव और कुलपति डॉ. प्रसजित कुमार के मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण बताया गया।

किसानों को नैनो यूरिया और डीएपी के इस्तेमाल का मिलेगा प्रशिक्षण

संतुलित उर्वरक प्रयोग और आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने पर जोर



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, इफको के नैनो उत्पादों और संतुलित

उर्वरक प्रयोग के प्रति जागरूक करने के लिए मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इसमें इफको के मेरठ एरिया मैनेजर कृष्ण कुमार सिंह, सहकारिता विभाग के आयुक्त



अमित कुमार तथा इफको के फील्ड ऑफिसर शामिल हुए। बैठक में सहकारी समितियों को मजबूत बनाने, किसान जागरूकता अभियान चलाने और कृषि की नवीन तकनीकों का प्रचार-प्रसार करने

पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान किसानों को नैनो यूरिया, नैनो डीएपी के उपयोग, संतुलित उर्वरक प्रयोग और टिकाऊ कृषि के माध्यम से फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण देने की योजना पर विचार



किया गया। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने संबंधित विभागों को इफको के साथ समन्वय स्थापित कर नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहकारी

समितियों के माध्यम से किसानों तक शासन की योजनाओं और कृषि संबंधी उपयोगी जानकारीयों को प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। बैठक की जानकारी इफको के क्षेत्राधिकारी सूरज सिंह ने दी।